CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 63 ता. 30 अगस्त 2021, सोमवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कोरोना के हाहाकार के बीच पाबंदियों के दिन शुरू, केरल में आज से नाइट कर्फ्यू

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस की रफ्तार एक बार फिर से डराने लगी है। केरल की वजह से भारत का कोरोना ग्राफ अब भयावह दिखने लगा है। भारत में आज यानी शनिवार को कोरोना वायरस के करीब 47 हजार नए केस आए और बीते 24 घंटे में 509 लोगों की मौतें हुई हैं। यहां ध्यान देने वाली बात है कि सिर्फ केरल में कल 32801 नए केस मिले और 179 लोगों की जानें चली गईं। केरल सरकार ने राज्य में कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए सोमवार से रात का कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है, शनिवार को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने ये जानकारी दी है। कर्फ्यू का समय रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक रहेगा। रात के कर्फ्यू की घोषणा करते हुए, सीएम पिनाराई विजयन ने कहा कि लॉकडाउन में ढील दिए जाने के बाद से केरल में कोविड -19 मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि महामारी ओणम की भीड़ से और बढ़ गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल सरकार का उद्देश्य जितना हो सके मौतों से बचना है और अधिक से अधिक लोगों को टीका लगाना है। विजयन ने कहा ÷टीकाकरण तेज गति से हो रहा है। हम जल्द से जल्द झुंड प्रतिरक्षा प्राप्त करने की उम्मीद करते हैं। जनसंख्या के अनुपात में, केरल देश में सबसे तेजी से टीकाकरण करने वाला राज्य है। हम एक दिन में 5 लाख खुराक तक देने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने कहा मृत्यु दर अभी भी नियंत्रण में है, हालांकि, मामलों की संख्या के अनुसार आनुपातिक वृद्धि हुई है। महामारी के समय में सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य मौतों को कम करना है। डेटा से पता चलता है कि प्रमुख राज्यों में केरल मौतों को कम रखने में कामयाब रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा-

इस बार ओलिंपिक ने प्रभाव पैदा किया; हर परिवार में खेल की चर्चा शुरू हुई, इसे रुकने नहीं देना चाहिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात प्रोग्राम के जरिए देश को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आज मेजर ध्यानचंद की जयंती है। मैं सोच रहा था कि ध्यानचंद जी की आत्मा जहां होगी प्रसन्न होगी। दुनिया में भारत की हॉकी का डंका बजाने का काम ध्यानचंद की हॉकी ने किया था। 4 दशक बाद भारत के बेटे और बेटियों ने हॉकी में जान भर दी। कितने ही मेडल मिल जाएं, हॉकी का मेडल मिलने के बाद ही भारतीय आनंद लेता है। इस बार पदक मिला। ध्यानचंद जी का जीवन खेल को समर्पित था, उनकी आत्मा प्रसन्न होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि आज का युवा अलग करना चाहता है। वो बने बनाए रास्ते पर नहीं चलना चाहता है, नए रास्तों पर चलना चाहता है। उसकी मंजिल, राह और चाह नई है। कुछ समय पहले ही भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को ओपन किया और युवा पीढ़ी ने उस मौके को पकड़ लिया। नौजवान आगे गए और मुझे भरोसा है कि आने वाले दिनों में बहुत बड़ी संख्या ऐसे सैटेलाइट की होगी, जिन पर कॉलेज और यूनिवर्सिटी की लैब में युवाओं ने काम किया होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार ओलिंपिक ने प्रभाव पैदा किया। अभी पैरालिंपिक्स चल रहा है। जो हुआ वो विश्वास पैदा करने के लिए बहुत है। युवा ईकोसिस्टम को देख रहा है, समझ रहा है, परंपरागत चीजों से निकल रहा है।

युवा मन अब सर्वश्रेष्ठ की तरफ केंद्रित कर रहा-मोदी ने कहा कि आज छोटे शहरों में स्टार्टअप कल्चर का विस्तार हो रहा है। युवा रिस्क लेना चाहता है। युवाओं ने दुनिया में भारत के खिलौने की पहचान बनाने की ठान ली। आज हमारे देश का युवा उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एक बात मन को खुशियों से भरती है, विश्वास को मजबूत करती है। आमतौर पर स्वभाव बन चुका था कि चलता है। युवा मन अब सर्वश्रेष्ठ की तरफ केंद्रित कर रहा है, वो सर्वोत्तम करना चाहता है।

हर परिवार में खेलों की चर्चा शुरू हुई है

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार ओलिंपिक ने प्रभाव पैदा किया। अभी पैरालिंपिक्स चल रहा है। जो हुआ वो विश्वास पैदा करने के लिए बहुत है। युवा ईकोसिस्टम को देख रहा है, समझ रहा है, परंपरागत चीजों से निकल रहा है। हर परिवार में खेल की चर्चा शुरू हुई है। इसे रुकने नहीं देना चाहिए। अब देश में खेल, खेल भावना रुकनी नहीं है। इसे पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्र जीवन में स्थाई करना है और निरंतर नई ऊर्जा से भरना है। गांव, शहर में खेल के मैदान भरे होने चाहिए। सबके प्रयास से ही भारत खेलों में वो ऊंचाई हासिल करेगा जिसका वो हकदार है। मेजर ध्यानचंद जी ने जो राह दिखाई है, उसमें आगे बढ़ना हमारी जिम्मेदारी है। खेलों के प्रति परिवार, समाज और राष्ट्र जुट रहा है।

गैर पारसी से शादी करने पर समुदाय ने मां-बेटे को निकाला

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। मुंबई की पारसी महिला और उसके सात साल के बच्चे से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मामले में गैर पारसी पुरुष से शादी करने पर मां-बेटे को समाज और धर्म से बहिष्कृत करने के फैसले को चुनौती दी गई है। पारसी समुदाय ने नस्ल बिगड़ने के अंदेशे से मां-बेटे को समुदाय से बाहर घोषित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एस अब्दुल नजीर और जस्टिस कृष्ण मुरारी ने मां और बेटे की संयुक्त याचिका पर नोटिस जारी किया है।

याचिका में कहा गया है कि पारसी समुदाय एक नस्ल और समान गुणों वाले लोगों का समूह है। किसी धर्म को मानना हर व्यक्ति का मूल अधिकार है। यह अधिकार हर भारतीय नागरिक को हासिल है। ऐसे में किसी गैर पारसी से शादी करने पर उन्हें पारसी धर्म से कैसे निकाला जा सकता है। पीठ ने याचिका के अध्ययन में पाया कि मामला के तथ्य कुछ हद तक वैसे ही हैं जैसे कि सबरीमाला मामले में थे। उस पर शीर्ष न्यायालय की बड़ी पीठ ने फैसला सुनाया था। सबरीमाला मंदिर से संबंधित याचिका में कहा गया था कि महिला को भी अपनी पसंद वाली जगह पर पूजा का अधिकार है। इसके लिए उसे समाज या धर्म से बहिष्कृत किए जाने का डर नहीं होना चाहिए। इस याचिका में भी महिला के अधिकार को परिभाषित करने की मांग की गई है, जिसके तहत वह अपने धर्म में रहते हुए किसी दूसरे धर्म वाले पुरुष शादी कर सकती है या नहीं। मामले में तर्कों को सुनने के बाद पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने का निर्णय लिया है। याचिका में कहा गया है कि पारसी समुदाय खुद को आर्य समेत किसी भी अन्य समुदाय से श्रेष्ठ मानता है, इसलिए वह अन्य समुदाय में होने वाली शादी से अपनी नस्ल खराब होने का अंदेशा रखता है। इसलिए उस शादी को स्वीकार नहीं करता।

दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद में बढ़ गए सीएनजी, पीएनजी के दाम

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों से हलकान कंज्यूमर्स को रविवार की सुबह एक बड़ा झटका लगा। इसकी वजह यह है कि इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने दिल्ली और पड़ोसी नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस और पाइप्ड नेचुरल गैस के रेट में इजाफा कर दिया है। नए रेट रविवार सुबह छह बजे से प्रभावी हो गए हैं। द्धतरु ने कंपनी के पाइप्ड गैस कनेक्शन यूज करने वाले ग्राहकों को मोबाइल मैसेज के जरिए रेट में बढ़ोत्तरी की सूचना दी है। आइए जानते हैं 29 अगस्त, 2021 से CNG के प्रभावी रेट क्या हो गए हैं:

1. NCT of Delhi- 45.20 रुपये प्रति किलोग्राम
2. नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद - 50.90 रुपये प्रति किलोग्राम
3. मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली - 58.15 रुपये प्रति किलोग्राम
4. गुरुग्राम - 53.40 रुपये प्रति किलोग्राम
5. रेवाड़ी - 54.10 रुपये प्रति किलोग्राम
6. करनाल और कैथल - 52.30 रुपये प्रति किलोग्राम
7. कानपुर, हमीरपुर और फतेहपुर - 61.40 रुपये प्रति किलोग्राम
8. अजमेर, पाली और राजसमंद - 59.80 रुपये प्रति किलोग्राम

घरेलू पीएनजी की 29 अगस्त, 2021 से प्रभावी कीमत

1. NCT of Delhi - 30.91 रुपये प्रति SCM
2. नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद - 30.86 रुपये प्रति SCM

गारंटी वाली डील के समझौते के तहत शेयर दलालों को धन या प्रतिभूति ट्रांसफर न करें।
निवेशकों को फिर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की चेतावनी, इन एजेंटों से रहें सतर्क

3. करनाल और रेवाड़ी - 29.71 रुपये प्रति SCM
4. गुरुग्राम -29.10/- रुपये प्रति SCM
5. मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली - 33.92 रुपये प्रति SCM

पेट्रोल-डीजल के रेट में नहीं हुआ कोई बदलाव- सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के मुताबिक देशभर में लगातार पांचवें दिन पेट्रोल-डीजल के दाम में किसी तरह का बदलाव देखने को नहीं मिला। दिल्ली में पेट्रोल का दाम 101.49 रुपये प्रति लीटर और डीजल का भाव 88.92 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। मुंबई में पेट्रोल का रेट 107.52 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 96.48 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार है।

कोवैक्सीन की एक खुराक से ही बन जाती है दो खुराक जितनी एंटीबॉडी

नई दिल्ली। अगर भारत बायोटेक के कोविड रोधी टीके कोवैक्सीन की एक खुराक किसी ऐसे व्यक्ति को दी गई जो पहले कोरोना वायरस से संक्रमित हुआ था, तो वह दो खुराक जितनी एंटीबॉडी प्राप्त कर लेता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित हुआ। इसमें कहा गया है, व्यापक आबादी के बीच किए गए अध्ययनों में हमारे प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि यदि की जाती है, तो पहले से सार्स-सीओवी-2 से संक्रमित व्यक्तियों को बीबीवी152 टीके की एक खुराक की सिफारिश की जा सकती है। जिससे अधिक लोग सीमित टीका आपूर्ति का लाभ उठा सकें। भारत के पहले स्वदेशी कोविड-19 रोधी टीके कोवैक्सीन का कूटनाम बीबीवी 152 है।

इसकी दो खुराक चार से छह सप्ताह के अंतराल के साथ दी जाती हैं।

114 लोगों पर किया गया शोध-सार्स-सीओवी-2 विशिष्ट एंटीबॉडी प्रतिक्रिया को जांचने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों के साथ-साथ अग्रिम पंक्ति के कर्मियों में यह अध्ययन किया गया। इसमें एंटीबॉडी प्रतिक्रिया की तुलना उन व्यक्तियों के साथ की गई जिनमें संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई थी। अध्ययन में फरवरी से मई 2021 तक चेन्नई में टीकाकरण केंद्रों पर कोवैक्सीन प्राप्त करने वाले 114 स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं से रक्त के नमूने एकत्र किए गए थे। अध्ययन में कहा गया, कुल मिलाकर सार्स-सीओवी-2 से पहले संक्रमित हुए उन लोगों में एंटीबॉडी की अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली जिन्होंने कोवैक्सीन की पहली खुराक ली थी। वह उन लोगों में मिली एंटीबॉडी के बराबर ही थी जिन्होंने दोनों खुराक ली थी और वे पहले इस वायरस से संक्रमित नहीं हुए थे।

देश में कहीं रहने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को देश में कहीं भी रहने या स्वतंत्र रूप से घूमने के मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। जस्टिस इंदिरा बनर्जी और वी रामसुब्रमण्यम की पीठ ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र के अमरावती शहर में जिला अधिकारियों द्वारा एक पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता के खिलाफ जारी जिलाबदर आदेश को रद करते हुए की। जिला बदर आदेश में किसी व्यक्ति की कुछ स्थानों पर आवाजाही पर रोक लगाई जा सकती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए केवल असाधारण मामलों में ही आवाजाही पर कड़ी रोक लगानी चाहिए।

अमरावती शहर के पुलिस उपायुक्त जोन-1 ने महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 56 (1) (ए) (बी) के तहत पत्रकार रहमत खान को अमरावती शहर या अमरावती ग्रामीण जिले में एक साल तक आवाजाही नहीं

करने का निर्देश दिया था। खान ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन देकर जोहा एजुकेशन एंड चैरिटेबल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित प्रियदर्शिनी उर्दू प्राइमरी एंड प्री-सेकेंडरी स्कूल और मद्रासी बाबा एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित अल हरम इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल समेत विभिन्न मदरसों को प्रतिपूर्ति किए गए कोष में हुई कथित अनियमितताओं के बारे में जानकारी मांगी थी। खान ने तर्क दिया कि उनके खिलाफ यह कार्रवाई इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग को समाप्त करने और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए कदम उठाया था।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, गलत जानकारी के लिए ट्विटर व फेसबुक को भी जिम्मेदार ठहराया जाए

सुप्रीम कोर्ट के जज, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि ट्विटर और फेसबुक जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म को झूठी सामग्री के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में हो सकता है आतंकी हमला, सीमा पार बढ़ी हलचल के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर बलपूर्वक कब्जा जमाने के बाद सीमापार आतंकियों की हलचल बढ़ गई है। खुफिया एजेंसियां इसे बड़े खतरे के तौर पर देख रही हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक सीमा पार आतंकियों की गतिविधियों में बढ़ोतरी की सूचना मिलने के बाद देश की खुफिया एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि किसी भी अप्रिय स्थिति के लिए खुद को तैयार करने को लेकर राज्य की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के साथ उक्त इनपुट साझा किया गया है।

कंधार में हुई थी बैठक

अधिकारिक सूत्र ने बताया कि अगस्त के तीसरे हफ्ते के दौरान कंधार में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के नेताओं और तालिबान नेताओं के बीच एक बैठक हुई थी। इस बैठक के बारे में पता चलने के बाद सभी खुफिया एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सूत्र बताते हैं कि इस बैठक में तालिबान नेताओं के एक समूह ने भाग लिया। इस बैठक में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने भारत-केंद्रित अभियानों में उनका समर्थन मांगा।

श्रीनगर में ग्रेनेड हमले की योजना

सूत्र बताते हैं कि बैठक में पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हुई।

अधिकारी ने कहा- हमने खुफिया एजेंसियों को सोशल मीडिया पर बारीक नजर रखने के निर्देश जारी किए हैं। हमें बीते 24 अगस्त को पाकिस्तान से दो आतंकियों की आवाजाही के बारे में खुफिया इनपुट मिला। ये आतंकी श्रीनगर में ग्रेनेड हमले की योजना बना रहे हैं। सभी संबंधित एजेंसियों को आपस में सूचनाएं साझा करते रहने को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौजूदा वक्त में सभी राज्यों और केंद्र की आतंकवाद रोधी इकाइयों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

अफगानिस्तान बना हॉटस्पाट

मालूम हो कि तालिबान के आतंकी 15 अगस्त को काबुल में दाखिल हुए थे जिससे नागरिक सरकार गिर गई थी। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के कब्जे के बाद अफगान लोगों में दहशत फैल गई थी। हजारों की संख्या में अफगान नागरिक देश छोड़ने के लिए काबुल एयरपोर्ट की ओर रवाना हुए थे। हजारों लोगों ने सीमा पार करके पड़ोसी मुल्कों का रुख किया। इसी बीच बीते गुरुवार को काबुल एयरपोर्ट के बाहर हजारों लोगों की भीड़ में सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके हुए थे। इन आतंकी हमलों में 13 अमेरिकी सैनिकों और कम से कम 169 अफगान नागरिकों की मौत हो गई थी।

भारतीय एजेंसियां चौकन्नी

गौर करने वाली बात यह है कि काबुल एयरपोर्ट के बाहर हुए सीरियल ब्लास्ट से पहले अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया समेत तमाम मुल्कों ने इस तरह के बड़े हमले का अलर्ट जारी किया था। अमेरिकी दूतावास ने बाकायदा अपने नागरिकों को एयरपोर्ट से दूर रहने के निर्देश जारी किए थे। गौर करने वाली बात यह भी है कि काबुल एयरपोर्ट के बाहर सुरक्षा की जिम्मेदारी तालिबान पर थी। तालिबान लड़ाके जगह जगह तैनात भी थे। इसके बावजूद आतंकी हमले को रोका नहीं जा सका और बड़ी संख्या में बेगुनाह लोग मारे गए। यही कारण है कि खुफिया इनपुट मिलने के बाद भारतीय एजेंसियां चौकन्नी हो गई हैं।

सार समाचार

अन्नाद्रमुक पर नियंत्रण के लिए सही समय का इंतजार कर रही शशिकला

नई दिल्ली। अन्नाद्रमुक की कभी शक्तिशाली बैकरूम संचालक और दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की भरोसेमंद दोस्त और सिपहसालार वी.के. शशिकला पृष्ठभूमि में इंतजार कर रही है कि वह अन्नाद्रमुक पर कब्जा कर ले, लेकिन अंतिम हमले के लिए उपयुक्त समय की प्रतीक्षा कर रही है। शशिकला, जयललिता के साथ घनिष्ठ संबंध के कारण एआईएडीएमके की राजनीति में अंतिम थीं, अब एआईएडीएमके नेतृत्व द्वारा ठंडे बस्ते में डाल दी गई हैं। यहां तक कि उनके कट्टर समर्थक भी उनसे निजी तौर पर नहीं मिले। इतना ही नहीं, एआईएडीएमके को 2021 के विधानसभा चुनावों में हार का सामना करने के बाद भी उनसे नहीं मिले। ई.के. पलानीस्वामी, जिन्हें शशिकला ने चुना था और ओ. पन्नीरसेल्वम द्वारा उनके खिलाफ विद्रोह करने के बाद मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था, अब उनके कट्टर विरोधी बन गए हैं और उन्हें रोकने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। उन्हें नई दिल्ली (भाजपा हाईकमान) का भी समर्थन प्राप्त है। जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं, उनके मुताबिक शशिकला अब डाउन हैं, लेकिन वह नॉट आउट हैं। एक सामाजिक कार्यकर्ता और मदुरै स्थित एक सामाजिक शोध संस्थान सोशियो इकोनॉमिक फाउंडेशन के प्रबंध ट्रस्टी पद्मनाभन आर. ने आईएएनएस को बताया, शशिकला को एआईएडीएमके नेतृत्व के बीच सभी बैकरूम युद्धाभ्यास और कैसे काम करना है, यह पता है। मुझे यकीन है कि वह पार्टी पर नियंत्रण करने के लिए सही समय की प्रतीक्षा कर रही है। राजनीति एक लंबा खेल है जिसमें लक्ष्य लंबी अवधि के लिए निर्धारित किए जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध 30 सितंबर तक बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भारत से आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध 30 सितंबर तक बढ़ा दिया है। प्रतिबंध पहले अगस्त के अंत तक बढ़ाया गया था। रविवार को एक परिपत्र में, नागरिक उड्डयन नियामक ने कहा, सक्षम प्राधिकारी ने अनुसूचित अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री सेवाओं के संबंध में ऊपर उल्लिखित विषय पर जारी परिपत्र की वैधता को 30 सितंबर, 2021 तक बढ़ा दिया है। इसमें कहा गया है कि यह प्रतिबंध अंतर्राष्ट्रीय ऑल-कार्गो संचालन और डीजीसीए द्वारा अनुमोदित उड़ानों पर लागू नहीं होगा। हालांकि, मामला-दर-मामला आधार पर नियामक द्वारा चयनित मार्गों पर अंतर्राष्ट्रीय शिड्यूल्ड उड़ानों की अनुमति दी जा सकती है। कोविड महामारी के कारण पिछले साल मार्च में भारत में शिड्यूल्ड अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानों को निलंबित कर दिया गया था। जबकि घरेलू उड़ानें मई 2020 में फिर से शुरू हुईं और धीरे-धीरे बढ़ाई गईं। वहीं प्रतिबंध के लगातार विस्तार के साथ अंतरराष्ट्रीय यात्रा निलंबित रही।

श्रीकृष्ण के वेश में आए आगंतुक को ताजमहल में प्रवेश करने से रोका गया

आगरा। 17 वीं शताब्दी के प्रेम स्मारक ताजमहल में सुरक्षा कर्मियों ने जन्माष्टमी उत्सव मनाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण के रूप में पूर्ण शाही वैभव में एक आगंतुक को प्रवेश से वंचित कर दिया। ये घटना शनिवार को हुई। जब सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें दूर भगाया, तो भीड़ ने उनका उत्साहवर्धन किया और उनके द्वारा बांसुरी बजाने के बाद उनके चरित्र की प्रशंसा की। एएसआई के अधिकारियों ने कहा कि झंडे, बैनर या पोस्टर लेकर या आत्म-प्रचार के प्रयास करने वाले लोगों को प्रवेश से इनकार करना सामान्य बात है। अतीत में, ऐसे कई मौके आए हैं जब श्रीराम के दुपट्टे पहनने वाले समूहों को गेट पर रोक दिया गया है, जिससे विवाद हुआ है। इस बीच, स्थानीय पर्यटन हलकों में उत्साह लौट आया क्योंकि लगभग 20,000 लोगों ने ताजमहल का दौरा किया, जो महामारी की दूसरी लहर के बाद सबसे अधिक संख्या थी। सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह के लिए लंबी वीकेंड का फायदा उठाकर बड़ी संख्या में लोग मथुरा और वृंदावन पहुंचे हैं। पर्यटक गाइड वेद गौतम ने कहा, कि रविवार को मौसम सुहावना होने के कारण हमें ताजमहल में बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

भारत में कोरोना वायरस के 45,083 नए मामले, 460 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के 45,083 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,26,95,030 पर पहुंच गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार पांचवें दिन वृद्धि दर्ज की गयी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 460 और मरीजों के संक्रमण के कारण जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,37,830 हो गयी। उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,68,558 हो गयी जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.13 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 97.53 प्रतिशत दर्ज की गयी। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 8,783 मामलों की वृद्धि हुई है। देश में शनिवार सुबह तक कोविड-19 रोधी टीकों की कुल 62.29 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख के पार चले गए। देश में 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

उत्तराखंड में भारी बारिश जारी, धामी ने प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा और मुख्यमंत्री पुष्कर? सिंह धामी ने गढ़वाल क्षेत्र के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि धामी ने आज सुबह हेलीकॉप्टर से गढ़वाल मंडल के देवप्रयाग, तोताघाटी, तीनधारा, कौड़ियाला, ऋषिकेश, रानीपोखरी, नरेंद्रनगर, फकोट एवं चंबा के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इस दौरान उनके साथ कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक और राज्य के मुख्य सचिव एस एस संधु भी रहे।

बाद में, रावत ने संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में बारिश से प्रभावित सड़कों और पुलों का ब्योरा सरकार को भेजें ताकि उनके लिए धन की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में दवाइयों और खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। वहीं, प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने अपने विभाग के अधिकारियों से बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों को ठीक करने तथा यातायात बहाल करने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करने को कहा है। उन्होंने लोगों से भी भारी बारिश के दौरान अपने आवागमन को सीमित रखने का आग्रह किया है। प्रदेश के आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कुल 107 सड़कें और पुल भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण बंद हैं जिन्हें खोलने का प्रयास जारी है।

विभाग के अनुसार, नरेंद्र नगर में गांव भिन्नू के पास ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क कटाव के के कारण यातायात के लिए बंद है। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग तोताघाटी और पागलनाला सहित आधा दर्जन स्थानों पर भूस्खलन के चलते मलबा और पत्थर गिरने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। वहीं, हरबर्टपुर-बडकोट राष्ट्रीय राजमार्ग जूडो के पास भूस्खलन के कारण बंद है। देहरादून-ऋषिकेश मार्ग पर शुक्रवार को टूटे रानीपोखरी पुल पर यातायात अभी बहाल नहीं हो पाया है और रानीपोखरी-भोगपुर-थानों मार्ग के जरिए यातायात को निकाला जा रहा है। इस बीच, प्रदेश के अनेक स्थानों पर लगातार बारिश जारी रही। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में ऋषिकेश के निकट जौलीग्रांट में 254 मिमी, सितारगंज में 60 मिमी, कपकोट में 55 मिमी, बनबसा में 53 मिमी, मुनस्यारी में 46 मिमी,नरेंद्रनगर में 40.2 मिमी, भटवाडी में 30 मिमी और गैरसैंण में 27 मिमी वर्षा दर्ज की गयी।

गोरियापुर में ट्रांसफार्मर जलने से लाइट हुई गुल किसान परेशान

संवाददाता जनार्दन गौड, जौनपुर- बख्शा। बख्शा विकासखण्ड क्षेत्र के गोरियापुर ग्राम सभा मे आज दोपहर में ट्रांसफार्मर जलने से लाइट गुल हो गई और किसान परेशान दिखे। इस समय धान की सिंचाई हो रही है । इस समय ट्रांसफार्मर जलने से सभी किसान परेशान हो गए है जिससे सिंचाई करने में कठिनाई हो रही है। ट्रांसफार्मर जलते समय आस पास घर न होने से कोई खतरा नही हुआ लेकिन लाइट न होने से बहुत से किसान परेशान है ।बिजली विभाग से बात करने पर जल्द ठीक करने की बात कही। जिसमे साहब लाल,प्रभात भूषण,महेंद्र ,सूर्जबलि आदि लोग मौजूद रहे ।

करनाल में किसानों पर हुए लाठीचार्ज पर बोले राकेश टिकैत, देश में सरकारी तालिबानों का कब्ज़ा हो चुका है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

हरियाणा के करनाल में कल पुलिस और किसानों के बीच भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में दोनों ओर से कई लोगों के घायल होने की खबर है। करनाल में हुए लाठीचार्ज को लेकर विपक्ष लगातार हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर सरकार को घेर रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत भी लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। आज जब राकेश टिकैत से इसी मसले को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि देश में सरकारी तालिबानों का कब्जा हो चुका है। देश में सरकारी तालिबानों के कमांडर मौजूद है। इन कमांडरो की पहचान करनी होगी। जिन्होंने आदेश दिया सर फोड़ने का वहीं कमांडर है।

इससे पहले राकेश टिकैत ने यह भी कहा था कि मुजफ्फरनगर में होने वाले महापंचायत को मुद्दे से भटकाने के लिए सरकार द्वारा यह षड्यंत्र किया जा रहा है। आपको बता दें कि भाजपा की बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए करनाल की तरफ बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर पुलिस ने कथित तौर पर लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब दस लोग घायल हो गए। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, राज्य भाजपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। किसानों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस की आलोचना की गई और विरोध में कई स्थानों पर सड़कों को जाम किया गया।

भारत विरोधी ताकतें अस्थिरता का माहौल बनाने की कोशिश कर रही हैं: राजनाथ सिंह

चेन्नई। (एजेंसी)।

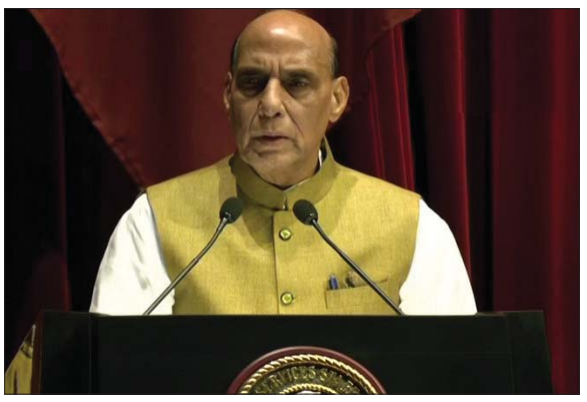

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि देश की आजादी के बाद से ही भारत विरोधी ताकतें घरेलू स्तर पर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रही हैं। ऊटी के पास वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेस स्टाफ कॉलेज में अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सैन्य शक्ति, व्यापार, संचार, अर्थव्यवस्था और राजनीतिक समीकरण जैसे परिदृश्यों में बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के इस दौर में दुनिया भर में हो रहे इन बदलावों से कोई भी देश अछूता नहीं है। ऐसे में देश की रक्षा तैयारियों को इन बदलावों के अनुपात में या इनसे एक कदम आगे रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''जब से हमारा देश आजाद हुआ है, दुश्मन ताकतों का प्रयास रहा है कि देश के भीतर किसी न किसी माध्यम से अस्थिरता का माहौल पैदा किया जाए। पिछले 75 साल का इतिहास देखें तो हमें चुनौतियां विरासत में मिली हैं।

रात्रि दरमियान चोरों ने तेलिया कला मे दो दुकानों मे सेध मारी करके लाखों की चोरी करके फरार

संवाददाता रामलखन सहानी, भागलपुर/ देवरिया

विकास खण्ड भागलपुर ग्राम पनिका बाजार निवासी प्रदीप गुप्ता पुत्र वृजराज गुप्ता,जिनका दुकान तेलिया मुख्य मार्ग के बगल में दिव्यांशु कम्प्यूटर जनसेवा केंद्र व फिनो पेमेंट बैंक की दुकान के रूप में स्थित है पूर्व की भांति शनिवार को करीब 10 बजे दिन में जब अपनी दुकान खोला भौचक हो गया,वही कुछ समय बाद पनिका बाजार निवासी सोनू कुमार जिनका दुर्गा इलेक्ट्रॉनिक नाम से दुकान तेलिया मुख्य मार्ग के बगल में स्थित है अपनी दुकान खोला तो आवाक रह गया,इन दोनों दुकानों में पीछे से चोरो ने सेंधमारी कर नायलॉन की रस्सी के सहारे दुकान में घुस कर जन सेवा केंद्र से 52 हजार रुपये कैश,तथा एक पेनड्राइव, को चोरो ने चुराया वही दुर्गा इलेक्ट्रॉनिक की दुकान से फर्राटा फैन 5,सीलिंग फैन 4, टार्च 6,रिसीवर,वूफर 6,मोबाइल चार्जर 8, डिस छतरी 3,वायर दो बण्डल, होम थियेटर 2, व 25 हजार रुपये नकद पर चोरो ने हाथ साफ किया ।

इसकी सूचना तत्काल मइल पुलिस को दी गयी सूचना मिलते ही दो सिपाही मौके पर पहुँच कर छानबिन शुरू की तथा गायब सामानों व रुपयों की ये लिस्ट बनाई, मामले चिंता जताते हुए मकान मालिक वसी अहमद ने मीडिया को बताया की तेलिया में चोरी की घटना पहली बार हुआ है जो शर्मनाक है,उन्होंने आगे बताया की चोरो ने दढ़ती पर चोरी की बात कबूलते हुए 2025 में सारा सामान वापस करने की बात लिख रखी है।इस घटना की सूचना पुलिस प्रशासन को दे दी गयी है,चोरी की घटना से आहत दुकानदारों ने मइल थाने में तहरीर दे कर चोरो के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करते हुए गायब धनराशि व सामान बरामद की जाय।

जिला उपाध्यक्ष अवधेश चौधरी सलेमपुर विधानसभा क्षेत्र मे किया दौरा

संवाददाता रामलखन सहानी, बरहज।

आज सलेमपुर बिधान सभा मे ब्लाक मीटिंग में मुख्य अतिथि रहे जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी देवरिया श्री अवधेश चौधरी जी निवास 342 बिधान सभा छेत्र बरहज कार्यकर्ताओ ने किया जोरदार स्वागत सलेमपुर ब्लॉक कमेटी की बैठक दिनांक 28 अगस्त 2021 विचारणीय विषय निम्नवत् है

1- ब्लाक कमेटी की समीक्षा उपस्थिति एवं गतिशीलता के संबंध में ।

2- ब्लॉक अध्यक्ष का कैंप कार्यालय एवं सभी के घरों पर पार्टी का झंडा लगाने के संबंध ।

3- बुथवार मतदाता बनाने की जिम्मेदारी , ऑनलाइन या फार्म 06 के द्वारा ।

4- सभी कार्यक्रमों में ब्लॉक अध्यक्ष अपने कमेटी व प्रमुख साथियों के साथ उपस्थिति के संबंध ।

5- मतदाता सूची में गलत नामों का नाम मतदाता सूची से हटाने के संबंध में ।

6- ब्लॉक में कम से कम पांच चौपाल कार्यक्रम गांव में लगाने के संबंध में ।

आज सलेमपुर डाकबगला में समाजवादी पार्टी की ब्लाक स्तर बैठक हु मुख्य अथिति रहे देवरिया जिला उपाध्यक्ष श्री अवधेश चौधरी जी पूर्व विद्यायक मनबोध प्रसाद जी बिधान सभा सलेमपुर अध्यक्ष सुरेंद्र यादव जी रजना भारतीय जी अमरजीत यादव जी सुरेश कुशवाहा राकेश तिवारी जी अभनन्द मिश्रा रामकेवल राजभर अनिल यादव आलम अंसारी पवन मद्देशिया रामपुकार चौहान अनिल मोर्या सर्वेश निसाद कुणाल प्रजापति व सपा नेता व कर्तकर्ता मौजूद रहे।

किसानों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दिया था आश्वासन, लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया: खट्टर

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

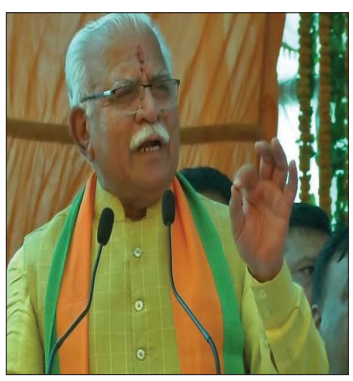

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल में प्रदर्शनकारी किसानों के ऊपर की गई पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया गया था लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया और एक राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया। शनिवार को भाजपा की एक बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर करनाल की ओर बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर कथित तौर पर पुलिस ने लाठियां बरसायीं जिससे लगभग 10 लोग घायल हो गए। बैठक के बाद शनिवार शाम करनाल में संवाददाताओं से बातचीत में खट्टर ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे किसानों ने पहले सरकार को आश्वासन दिया था कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। खट्टर ने कहा, ''अगर उन्हें विरोध प्रदर्शन ही करना था तो उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से करना चाहिए था, इस पर किसी को आपत्ति नहीं होती। पहले उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया था। लेकिन अगर वे पुलिस पर पथराव करेंगे, राजमार्ग अवरुद्ध करेंगे तो पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम तो उठाएगी।''

करनाल में भाजपा की बैठक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी की राज्य स्तर की बैठक थी और 'मैं किसान संगठनों द्वारा इसका विरोध करने के लिए किए गए आह्वान की निंदा करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी संगठन के कार्यक्रम का किसी मुद्दे पर या किसी भी कारणवश से विरोध करना तो खुद में ही अलोकतांत्रिक हैं।'' हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) नवदीप सिंह विर्क ने पहले बताया था कि सिर्फ चार प्रदर्शनकारी घायल हुए, जबकि 10 पुलिसकर्मियों को चोट आईं। उन्होंने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और उन पर हमला करने की कोशिश की। करनाल पुलिस की महानिरीक्षक ममता सिंह ने कहा, ''हमने आंशिक तौर पर बलप्रयोग किया क्योंकि वे राजमार्ग जाम कर रहे थे। पुलिस पर कुछ पथराव भी हुआ। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंशिक तौर पर बल प्रयोग किया गया।''

इसी बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने रविवार को करनाल के एक अस्पताल में जाकर कुछ घायल किसानों से मुलाकात की और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की निंदा की। टिकैत ने कहा कि करनाल में किसानों पर हमला करने का षड्यंत्र 'ड्यूटी मजिस्ट्रेट के आदेशों से स्पष्ट था, जो पुलिस को किसानों का सिर फोड़ने और उन पर लाठियां बरसाने का आदेश दे रहे हैं।'' टिकैत ने कहा, ''सरकार किसानों की आवाज को दबाने के लिए लाठियों का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन वह गलतफहमी में है।'' हरियाणा भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि सोमवार को किसान संगठनों की एक बैठक करनाल में आयोजित होगी और कथित लाठीचार्ज के मद्देनजर भविष्य के कदम पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज का विरोध करने के लिए शनिवार शाम तक सड़क जाम करने का आह्वान था और आगे के कदमों के बारे में सोमवार को निर्णय लिया जाएगा।

रात में फाइलेरिया की जांच करने वाली स्वास्थ्य टीम का निरीक्षण करने पहुंचे अधीक्षक डॉ जी.के. सिंह

संवाददाता जनार्दन गौड़ जौनपुर, बक्शा। बक्शा विकासखंड क्षेत्र के गोरियापुर ग्राम सभा में फाइलेरिया की जांच करने के लिए रात 8 बजे से 11 बजे तक कैंप लगाया गया। फाइलेरिया जांच करने वाली टीम रात 8 बजे गोरियापुर आंगनवाड़ी कंचन गौतम के घर आकर कैम्प लगाया जिसमे अमित निगम LT, राजेन्द्र कुमार LT, शकुंतला मौर्या आशा, शशिकला A.N.M, नीतेश कुमार BCPM स्वास्थ्य टीम आई। रात 9 बजे औचक निरीक्षण करने पहुंचे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बक्शा एट नौपेड़वा के अधीक्षक डॉ जी. के. सिंह ग्राम सभा के सभी लोगो को जाँच करवाने की बात कही। जिसमे आगनवाड़ी कार्यकर्ती कंचन गौतम व लल्ली यादव भी मौजूद रही। जिसमे ग्राम सभा के प्रधान प्रभाकर गौतम उर्फ गुड्डू, राकेश भूषण के साथ साथ गाँव के बहुत से लोग जाँच करवाये।

सार समाचार

काबुल हवाईअड्डा विस्फोट पीड़ितों में पत्रकार भी शामिल

काबुल, 29 अगस्त (आईएएनएस)। काबुल के हामिद करजई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 26 अगस्त को हुए भीषण विस्फोट में एक महिला टीवी एंकर सहित दो पत्रकार भी शामिल थे। एक स्वतंत्र मीडिया समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान पत्रकार केंद्र (एएफजेसी) ने एक ट्विटर पोस्ट में कहा, राहा न्यूज एजेंसी के संवाददाता अली रजा अहमदी और जहां-ए-सिहत टीवी चैनल की पूर्व प्रजेंटर नजमा सादेकी हवाईअड्डे पर हुए हमले में मारे गए। पूर्वी हवाई अड्डे के गेट पर हुए आत्मघाती विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों सहित लगभग 200 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए, जब भारी भीड़ निकासी उड़ानों का इंतजार कर रहे थे। पीड़ितों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं और इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह के एक स्थानीय सहयोगी आईएस-के ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पिछले दो दशकों में अफगानिस्तान में 100 से अधिक पत्रकार मारे गए हैं, जिससे एशियाई देश पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक बन गया है। रविवार का घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा कहा गया था कि उनके सैन्य कमांडरों ने उन्हें सूचित किया था कि अफगानिस्तान में एक और हमला अगले 24-36 घंटों में होने की संभावना है। पेंटागन के अनुसार, इस हमले का बदला लेने के लिए, अमेरिकी सेना ने 27 अगस्त को नंगरहार प्रांत में आतंकवादी समूह के खिलाफ एक ड्रोन हमला किया, जिसमें दो हाई-प्रोफाइल सदस्य मारे गए और एक अन्य घायल हो गए। काबुल में रविवार तड़के जारी एक नए सुरक्षा अलर्ट में, अमेरिकी विदेश विभाग ने सभी अमेरिकी नागरिकों को विशिष्ट, विश्वसनीय खतरे का हवाला देते हुए काबुल हवाई अड्डे के तीन गेटों को तुरंत छोड़ने और हवाई अड्डे की यात्रा करने से बचने की सलाह दी। हालांकि विभाग ने खतरे की प्रकृति के बारे में खुलासा नहीं किया।

ईरान ने अमेरिका, इजराइल की अवैध धमकियों की निंदा की

तेहरान। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अन्य विकल्पों को अवैध खतरों के रूप में उल्लेख किया है। शामखानी ने शनिवार को ट्वीट किया, नफ्ताली बेनेट और बाइडेन के बीच पहली बैठक हुई। जिसमें ईरान के खिलाफ अन्य विकल्पों का उपयोग करने पर जोर दिया गया, जबकि दूसरे देश के लिए एक अवैध खतरा होने के नाते, उपलब्ध विकल्पों के लिए पारस्परिक प्रतिक्रिया ईरान के इस्लामी गणराज्य के अधिकार को स्थापित करती है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन ने 27 अगस्त को बेनेट के साथ एक बैठक में कहा कि उनका देश यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ईरान कभी परमाणु हथियार विकसित न करे, यह कहते हुए कि वाशिंगटन कूटनीति को पहले रखेगा। व्हाइट हाउस की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित एक विज्ञप्ति के अनुसार, बेनेट ने कहा कि वह बाइडेन के स्पष्ट शब्दों को सुनकर खुश थे, इस बात पर जोर देते हुए कि यदि कूटनीति काम नहीं करती है तो अन्य विकल्प देखे जाएंगे। आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि 27 अगस्त को, जहरा इरशादी, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन के अंतरिम प्रभारी, ने सुरक्षा परिषद को एक पत्र दिया, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ इजरायल के खतरों की चेतावनी दी गई थी।

अरब लीग प्रमुख ने लेबनान में कैबिनेट बनाने के प्रयासों में तेजी लाने का किया आग्रह

काहिरा, 29 अगस्त (आईएएनएस)। काहिरा स्थित अरब लीग (एएल) के महासचिव अहमद अबुल-घेट ने लेबनान में एक कैबिनेट बनाने के प्रयासों में तेजी लाने का आह्वान किया है, जो आवश्यक सुधारों को तुरंत लागू करेगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को एक बयान में, अबुल-घेट ने जोर देकर कहा कि यह कदम अरब और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को लेबनान को बचाने में प्रभावी ढंग से शामिल होने में सक्षम करेगा। अबुल-घेट ने उल्लेख किया कि उन्होंने लेबनान के प्रधानमंत्री-नाजीब मिकाती की अपील को एएल से लेबनान का समर्थन जारी रखने की अपील प्राप्त की और एक कैबिनेट बनाने में मिकाती की सफलता की कामना की। अरब देश 10 अगस्त, 2020 से बिना कैबिनेट के है, जब कार्यवाहक प्रधानमंत्री हसन दीब ने बेरूत बंदरगाह के विस्फोटों की प्रतिक्रिया में इस्तीफा दे दिया, जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए और हजारों अन्य घायल हो गए थे। साद हरीरी को 22 अक्टूबर, 2020 को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था, लेकिन वह मंत्रियों को लेकर राष्ट्रपति मिशेल औन के साथ अपने मतभेदों को देखते हुए एक नया कैबिनेट बनाने में विफल रहे। लेबनान अपने इतिहास में सबसे खराब आर्थिक और वित्तीय संकट से गुजर रहा है और पिछले एक साल के दौरान राजनीतिक शून्य ने देश के कई संकटों को और खराब करने में योगदान दिया है।

अगर नेता फिर से सब खोलने की योजना पर नहीं टिके तो ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा : कोषाध्यक्ष

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलियाई कोषाध्यक्ष जोश फाइडेनबर्ग ने रविवार को चेतावनी दी है कि लंबे समय बाद अगर नेता सब कुछ फिर से खोलने की राष्ट्रीय योजना पर नहीं टिके तो देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में संघीय, राज्य और क्षेत्र की सरकारों ने महामारी से बाहर एक रोडमैप पर हस्ताक्षर किए, जो तब शुरू होगा जब 70 प्रतिशत वयस्क आबादी को पूरी तरह से टीका लगाया जाएगा। हालाँकि, देश के प्रमुख शहरों, कैनबरा, सिडनी और मेलबर्न में हाल के प्रकोपों और तालाबंदी के बीच कुछ राज्य प्रीमियर ने योजना पर संदेह जताया है। जवाब में, फाइडेनबर्ग ने कहा कि यह एक हास्यास्पद स्थिति पैदा कर सकता है जहां ऑस्ट्रेलियाई स्वतंत्र रूप से विदेश यात्रा कर सकते हैं लेकिन अंतरराज्यीय नहीं।

काबुल हवाईअड्डे पर अगले 24 से 36 घंटों में आतंकवादी हमला होने की आशंका: बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चेतावनी दी कि काबुल हवाईअड्डे पर अगले 24 से 36 घंटों में एक और आतंकवादी हमला होने की ''अत्यधिक आशंका'' है। इसके साथ ही अमेरिका ने अफगानिस्तान के काबुल हवाईअड्डा क्षेत्र में मौजूद अपने सभी नागरिकों से तत्काल इलाका छोड़ने का अनुरोध किया है। अमेरिका ने क्षेत्र में खतरे की खुफिया जानकारी मिलने पर अपने नागरिकों से यह अनुरोध किया। अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुलाने की 31 अगस्त की समयसीमा के मद्देनजर कुछ बचे हुए अमेरिकियों और अफगान नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया तेज कर दी है। बाइडन ने शनिवार को कहा, ''जमीनी हालात अत्यधिक खतरनाक बने हुए हैं और हवाईअड्डे पर आतंकवादी हमलों का खतरा अधिक है। हमारे कमांडरों ने मुझे सूचित किया कि अगले 26-36 घंटों में हमला होने की प्रबल आशंका है।''

बाइडन ने उन्हें सैनिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनके पास अमेरिकी पुरुषों और महिलाओं की रक्षा करने के लिए सभी प्राधिकारी, संसाधन और योजनाएं हैं। उन्होंने हवाईअड्डे पर बृहस्पतिवार को हुए हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई जारी रखने का भी संकल्प लिया। हवाईअड्डे पर बृहस्पतिवार को आत्मघाती बम हमले में कम से कम 169 अफगान नागरिक और अमेरिका के 13 सैनिक मारे गए थे। अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट से संबद्ध संगठन इस्लामिक स्टेट-खोरासान प्रांत ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले के जवाब में अमेरिका ने शुक्रवार को पूर्वी अफगानिस्तान में एक ड्रोन हमला किया। पेंटागन ने कहा कि ड्रोन हमले में आईएसआईएस के दो ''हाई प्रोफाइल'' आतंकी मारे गए और एक अन्य घायल हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''हमने अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के आतंकवादी समूह के खिलाफ किए हमले पर चर्चा की। मैंने कहा कि हम काबुल में हमारे सैनिकों और निर्दोष नागरिकों पर हमले के लिए जिम्मेदार समूह का पीछा नहीं छोड़ेंगे। यह हमला आखिरी नहीं था। हम इस जघन्य हमले में शामिल लोगों को मार गिराएंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। जब भी कोई अमेरिका को नुकसान पहुंचाने या हमारे सैनिकों पर हमला करने की कोशिश करेगा तो हम जवाब देंगे।'' युद्धग्रस्त देश में अभियान खत्म होने की कगार पर पहुंचने के बीच बाइडन ने कहा कि अमेरिकी सैनिक ''काबुल में अस्थिर स्थिति के बावजूद'' नागरिकों को बाहर निकालना जारी रखेंगे। अफगानिस्तान में तकरीबन 350 अमेरिकी हैं जो देश छोड़ना चाहते हैं, हजारों अफगान नागरिक हैं जिन्होंने 20 साल के युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ काम किया और वे देश से बाहर निकलने की

कोशिश कर रहे हैं। बाइडन ने कहा, ''कल हम सैकड़ों अमेरिकियों समेत 6,800 और लोगों को लेकर आए। आज हमने सेना की वापसी के बाद लोगों को अफगानिस्तान छोड़ने में मदद करने की तैयारियों पर चर्चा की।

बांग्लादेश में भी है तालिबान का कोई अस्तित्व? पड़ोसी देश के गृह मंत्री ने दिया यह जवाब

ढाका। (एजेंसी)।

गृह मंत्री असद-उज-जमां कमाल ने कहा कि बांग्लादेश में तालिबान का कोई अस्तित्व नहीं है और देश में अन्य छोटे कुख्यात संगठन अराजकता पैदा नहीं कर सकते हैं। उन्होंने इस चिंता को खारिज कर दिया कि अफगानिस्तान में विद्रोही समूह की जीत मुस्लिम बहुल राष्ट्र में आतंकवादियों को प्रोत्साहित कर सकती है। 'ढाका ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक, ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) आयुक्त मोहम्मद शफीक उल इस्लाम ने कहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत बांग्लादेश सहित उपमहाद्वीप में आतंकवाद की एक नई लहर पैदा करेगी, जिसके बाद गृह मंत्री की यह टिप्पणी आई है। सावर में एक सुपरमार्केट के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कमाल ने कहा कि बांग्लादेश में तालिबान और अन्य आतंकवादियों का कोई अस्तित्व नहीं है।

अखबार ने कमाल के हवाले से कहा, 'बांग्लादेश शांतिपूर्ण देश है। अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आ गया है और काबुल बांग्लादेश से बहुत दूर स्थित है। लिहाजा बांग्लादेश में इसका कोई असर नहीं होगा।'' मंत्री ने कहा, 'देश में कई छोटे कुख्यात समूह हैं, लेकिन उनमें अराजकता पैदा करने की क्षमता नहीं है।÷ उन्होंने कहा, 'देश में अराजकता फैलाने के लिए कुछ बदमाश अलग-अलग नामों से सामने आ रहे हैं।' बांग्लादेश सरकार ने देश में किसी भी विदेशी आतंकवादी समूह के अस्तित्व से बार-बार इनकार किया है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी की जांच में कुछ भी नहीं निकला

बीजिंग (एजेंसी)।

90 दिनों की जांच के बाद, अमेरिकी खुफिया एजेंसी इस बात का कोई निष्कर्ष नहीं निकाल पायी है कि कोरोनावायरस कहां से आया था। जाहिर है, विज्ञान आधारित कोविड की उत्पत्ति का पता लगाने सेही भविष्य में फैलने वाली किसी महामारी के प्रकोप को रोका जा सकता है, न कि किसी राजनीतिक हेरफेर से।

कोविड-19 कहां से आया? इसकी उत्पत्ति पर सवाल अनुत्तरित है। मई 2021 में, वैज्ञानिकों के निष्कर्षों की प्रतीक्षा करने के बजाय, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को यह निष्कर्ष निकालने के लिए 90 दिनों का समय दिया कि वायरस कहां से आया है। अमेरिका में डेल्टा वैरिएंट के प्रसार के साथ, मामलों और मौतों की संख्या में वृद्धि जारी है और राहत का कोई संकेत नहीं है। 6 लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जो कि बाल्टीमोर की जनसंख्या से भी अधिक है।

अफ्रीकी, अमेरिकी और अन्य अल्पसंख्यक समूह महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अश्वेत और हिस्पैनिक लोग टीकाकरण कराने में पिछड़ जाते हैं। जिन लोगों ने टीके की कम से कम एक खुराक प्राप्त की है, उनमें लगभग दो-तिहाई श्वेत (58 प्रतिशत) हैं। हिस्पैनिक लोगों की संख्या 17 प्रतिशत है, जबकि अश्वेतों की संख्या केवल 10 प्रतिशत है। अपनी सीमा

के भीतर वायरस को नियंत्रित करने में विफल रहते हुए, अमेरिका ने वायरस को अपनी सीमा के बाहर प्रवाहित कर दिया है। मार्च और सितंबर 2020 के बीच, अमेरिका ने लगभग 160,000 अवैध अप्रवासियों को स्वदेश भेजा। निर्वासित होने से पहले उन्हें न तो क्वारंटाइन किया गया, और न ही उनका परीक्षण किया गया।

अमेरिका, जो खुद एक सुपरस्प्रेडर है, बीमारी के लिए बाहरी लोगों को दोष देने की पुरानी चाल चल रहा है। इस बार, उसने ऐसा करने के लिए खुफिया समुदाय को शामिल किया है।

जब डोनाल्ड ट्रम्प सत्ता में थे, तो न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया था कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने लैब-लीक परिकल्पना का समर्थन करने के लिए जासूसी एजेंसियों पर दबाव डाला। अब बारी जो बाइडेन की है। उनका जांच आदेश वॉलस्ट्रीटजर्नल द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के बाद आया, जिसमें इस अटकल को हवा दी गई थी कि कोरोना वायरस चीन में वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से लीक हो सकता है।

वहीं, अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारी इस संभावना को तेजी से स्वीकार कर रहे हैं कि दुनिया को एक खतरनाक नए वायरस के बारे में पता चलने से पहले ही देश में कम संख्या में कोविड-19 संक्रमण हुआ होगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राजनेताओं ने वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने जैसे वैज्ञानिक मुद्दे का राजनीतिकरण करके एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा को एक प्रमुख शक्ति संघर्ष में बदल दिया है। (अखिल पाराशर, चाइना मीडिया ग्रुप, बीजिंग)

तालिबान के पंजशीर में प्रवेश करने के दावे को मसूद समर्थकों ने नकारा

काबुल/नई दिल्ली (एजेंसी)।

तालिबान ने कहा कि उनकी सेनाएं बिना किसी प्रतिरोध का सामना किए शनिवार को विभिन्न दिशाओं से पंजशीर प्रांत में दाखिल हुईं। हालांकि, अहमद मसूद के समर्थकों ने इस दावे का खंडन किया है। तालिबान के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य अनामुल्ला समांगानी के अनुसार, टोलो न्यूज ने बताया, कोई लड़ाई नहीं हुई, लेकिन अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के मुजाहिदीन बिना किसी प्रतिरोध का सामना किए विभिन्न दिशाओं से आगे बढ़े। इस्लामिक अमीरात बलों ने विभिन्न दिशाओं से पंजशीर में प्रवेश किया है।

हालांकि, समांगनी ने कहा कि बातचीत के लिए अभी भी दरवाजा खुला है और शनिवार को अहमद मसूद के एक प्रतिनिधिमंडल ने काबुल में तालिबान के

एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। दूसरी ओर, मसूद के समर्थकों ने पंजशीर की ओर तालिबान के आगे बढ़ने के दावों को खारिज कर दिया और कहा कि कोई भी प्रांत में प्रवेश नहीं किया है। रेसिस्टेंस फ्रंट के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मोहम्मद अलमास जाहिद ने कहा, पंजशीर में कोई लड़ाई नहीं है और किसी ने भी प्रांत में प्रवेश नहीं किया है। तालिबान और मसूद प्रतिनिधिमंडल के बीच पहले दौर की वार्ता 25 अगस्त को हुई थी, जिसके दौरान दोनों पक्ष दूसरे दौर की वार्ता तक एक-दूसरे पर हमला नहीं करने पर सहमत हुए थे। जाहिद ने कहा कि दूसरे दौर की वार्ता दो दिनों में होगी लेकिन वार्ता विफल होने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। जाहिद ने कहा, वार्ता की विफलता दोनों पक्षों के लिए भारी परिणाम होगी क्योंकि युद्ध विदेशी हस्तक्षेप का मार्ग प्रशस्त करेगा और हस्तक्षेप युद्ध को लम्बा खींच देगा। इस बीच, दो अमेरिकी सीनेटरों ने कहा है कि पंजशीर को एक सुरक्षित क्षेत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए और प्रतिरोध मोर्चे के कुछ नेताओं को अमेरिका और अन्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए। हालांकि, काबुल निवासी तालिबान और मसूद समर्थकों के बीच शांति की मांग करते हैं। रिपोर्टरें से संकेत मिलता है कि पंजशीर की ओर जाने वाले मार्ग को तालिबान ने गुलबहार-जबल सराज इलाके में अवरुद्ध कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सीमा प्रदर्शनों के बाद इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर किया हमला

यरूशलम। (एजेंसी)।

फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजराइली सैनिकों के बीच सीमा के पास हिंसक झड़प होने के कुछ घंटों बाद इजराइल ने रविवार तड़के गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर हवाई हमले किए। इजराइल सेना ने एक बयान में बताया कि दक्षिणी इज़राइल में आग लगाने वाले गुब्बारों को भेजने और लगातार दूसरे सप्ताह हिंसक विरोध प्रदर्शनों के जवाब में विमानों ने गाजा पट्टी में हमास के आतंकवादी ठिकानों पर बमबारी की।

इजराइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ आमने-सामने बैठक कर देश की अपनी यात्रा खत्म करने और इजराइल रवाना होने के लिए विमान में सवार होने से पहले वाशिंगटन में संवाददाताओं से बातचीत की। जून में बेनेट के प्रभार संभालने के बाद से यह उनकी पहली यात्रा थी। उन्होंने हीब्रू में कहा, 'हम गाजा में अपने हितों के हिसाब से काम करेंगे।' बेनेट ने कहा कि उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने में रणनीतिक सहयोग सहित वाशिंगटन की यात्रा के सभी उद्देश्यों को प्राप्त किया।'

शनिवार को, हमास समर्थित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इजराइल की सीमा पर रात के समय विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें इजराइली सेना की ओर विस्फोटक

फेंके गए, जिन्होंने जवाब में गोलियां चलाईं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइली गोलीबारी में तीन लोग घायल हुए हैं। सप्ताह के दौरान अतिरिक्त प्रदर्शनों की योजना बनाई गई है। आयोजकों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन इजराइल पर फलस्तीनी क्षेत्र की नाकेबंदी हटाने के लिए दबाव बढ़ाने के लिए हैं।

श्रीलंकाई शरणार्थियों के लिए स्टालिन के कल्याण पैकेज का श्रीलंका के पीएम के बेटे ने किया स्वागत

कोलंबो (एजेंसी)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की ओर से श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के लिए कल्याण पैकेज की घोषणा के बाद श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे ने इस निर्णय का स्वागत किया और शरणार्थियों को घर लौटने के लिए आमंत्रित किया।

27 अगस्त को स्टालिन ने श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के कल्याण के लिए 317.4 करोड़ रुपये की योजनाओं की घोषणा की थी। तमिलनाडु विधानसभा में एक बयान देते हुए स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार राज्य भर में विभिन्न शिविरों में रह रहे शरणार्थियों के लिए 7,469 घरों का निर्माण करेगी।

इस योजना पर किया गया खर्च 231.54 करोड़ रुपये होगा। घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, नमल राजपक्षे ने शनिवार को ट्वीट किया, श्रीलंकाई शरणार्थियों पर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बयान का स्वागत करते हुए, 2009 में युद्ध की समाप्ति के बाद, महिंदा राजपक्षे की सरकार ने उन शरणार्थियों का स्वागत किया जो तमिलनाडु भाग गए थे। आंकड़ों के अनुसार, यूएनएचआरसी सुविधा की मदद से 3,567 परिवार श्रीलंका लौट आए हैं।जो लोग लौट आए हैं और जिन्हें सहायता की आवश्यकता है, उन्हें

घर और आजीविका प्रदान की गई है। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और पीएम महिंदा राजपक्षे यह सुनिश्चित करेंगे कि वापस लौटने वाले सभी शरणार्थी अपने वतन में सुरक्षित हों और अपने जीवन को फिर से शुरू कर सकें। स्टालिन ने अपनी घोषणा में यह भी कहा कि पहले चरण में 510 नए घरों के निर्माण के लिए 108.81 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने वादा किया था कि शैक्षिक राहत पैकेज के हिस्से के रूप में, समुदाय के बीच इंजीनियरिंग अध्ययन के लिए चुने गए शीर्ष 50 छात्रों को छात्रवृत्ति के अलावा स्नातकोत्तर छात्रों को छात्रवृत्ति और छात्रावास शुल्क में छूट दी जाएगी। शरणार्थियों के कल्याण को देखने और शिविरों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए एक समिति भी गठित की जाएगी। लाभों के बीच, प्रत्येक परिवार को एक स्टोव और एक गैस सिलेंडर मुफ्त और सालाना कम लागत पर सिलेंडर के लिए पांच रिफिल तक मिलेगा। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम और बहुसंख्यक सिंहल सरकार के बीच 26 साल के लंबे जातीय युद्ध के दौरान युद्धग्रस्त उत्तरी प्रायद्वीप से ज्यादातर श्रीलंकाई तमिल भारत भाग गए थे।

तूफान इडा तीव्र हुआ, लूसियाना में पड़ सकता है गंभीर प्रभाव

न्यू ऑर्लीन्स। (एजेंसी)।

मौसम वैज्ञानिकों ने उत्तरी मेक्सिको खाड़ी तट के आस-पास रहने वाले निवासियों को प्रचंड रूप ले रहे तूफान इडा से पहले तैयारियां तेज करने की चेतावनी दी है। उष्णकटिबंधीय चक्रवाती तूफान (हरिकेन) के रविवार को लूसियाना में तट से टकराने पर 130 मील प्रति घंटे जितनी रफ्तार से तेज हवाएं चलने, तूफान का जानलेवा असर और बाढ़ लाने वाली बारिश का प्रकोप देखने को मिल सकता है। 'नेशनल हरिकेन सेंटर' ने आगाह किया है कि खाड़ी के बेहद गर्म जलक्षेत्र इडा की विनाशकारी ताकत को तेजी से और बढ़ा सकते हैं जिससे यह श्रेणी 2 के तूफान से तब्दील होकर महज 18 घंटों के भीतर बेहद खतरनाक श्रेणी चार का तूफान हो जाएगा।

तूफान कैटरीना के मिसिसिपी और लूसियाना तटों को तबाह करने के 16 साल बाद इडा लूसियाना

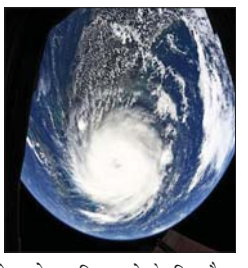

को प्रभावित करने के लिए तैयार है। श्रेणी तीन के तूफान, कैटरीना को 1,800 लोगों की मौत के लिए दोषी ठहराया गया था और न्यू ऑर्लीन्स में भयावह बाढ़ का कारण बना था, जिसे इससे उबरने में वर्षों लग गए थे। लूसियाना के गवर्नर जॉन बेल एडवर्ड्स ने कहा, 'हम 16 साल पहले वाले राज्य नहीं हैं।' उनका इशारा 2005 की आपदा के बाद से हुए बड़े सुधारों की तरफ था। उन्होंने बताया कि 5,000 नेशनल गार्ड सैनिकों को तलाश एवं बचाव कार्य के लिए तैयार रखा गया है।

संपादकीय

इंसानियत पर हमला

काबुल हवाई अड्डे पर हुए धमाकों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। किसी मजहब की बात छोड़ दीजिए, आज इंसानियत शर्मसार है।कैसानिर्मम शासन आया है, डर से लोग भाग रहे हैं और भागते लोगों पर आतंकियों ने हमला किया है। इन धमाकों में करीब सौ लोग मारे गए हैं, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं। दो सौ के करीब लोग घायल हुए हैं, जो अब जीवन भर उस दहशत को याद करेंगे, जो उन्हें कथित मजहबी साये में नसीब हुई है। धिक्कार है, ऐसे लोगों पर, जिनमें रत्ती भर भी दया नहीं, जिनकी आंखों का पानी सूख गया है। जो लोग काबुल हवाई अड्डे पर जुटे थे, वे कोई दुश्मन या आतंकवादी नहीं थे। वे डरे हुए लोग हैं, जो जान बचाकर भागने में भलाई समझ रहे हैं, लेकिन उन्हें भागने से रोकने का यह कौन-सा तरीका हुआ? आज अफगानिस्तान की जमीन शर्मसार है, शायद कभी इस जमीन के लोगों को भलमनसाहत के लिए पहचाना जाता था। इनके सीधेपन की दुहाई दी जाती थी। भारत में जिस काबुलीवाले को हम जानते हैं, वह आज काबुल में कहां है? कौन काबुलीवाला रहम की भीख मांग रहा है और कौन काबुलीवाला अपनों के ही खून का प्यासा बन गया है? खैर, काबुल में चल रहे राहत अभियान को झटका लगा है, लेकिन अभियान रुका नहीं है। शोषित काबुलीवालों की वापसी फिर शुरू हो गई है। हमले के एक दिन बाद अमेरिका ने फिर अपने नागरिकों और अधिकारियों को काबुल से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अमेरिका का कहना है कि विदेशी सैनिकों की वापसी की मंगलवार की समय- सीमा से पहले और हमले की आशंका है। अमेरिका अपनी जुबान का पक्का होने की कोशिश कर रहा है, लेकिन क्या तालिबान भी अपनी जुबान के पक्के हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भले ही कह दिया हो कि वह एक-एक मौत का बदला लेंगे, लेकिन यह भला कैसे होगा? क्या अमेरिका सीधी लड़ाई के बजाय छद्म लड़ाई के पक्ष में है? अगर ऐसी कोई लड़ाई छिड़ेगी, तो अफगानिस्तान ही तबाह होगा और इसका दुष्प्रभाव दुनिया झेलेगी। जो लोग सीधी लड़ाई में नहीं सुधरे, क्या वे चुन-चुनकर बदला लेने से सुधर जाएंगे? यह गौर करने की बात है कि तालिबान का दुस्साहस बढ़ा ही इसलिए है, क्योंकि अमेरिका लौट रहा है। यह हमला पश्चिमी देशों के लिए बड़ा सबक है, जो आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह ईमानदार नहीं रहे हैं। ईमानदारी होती, तो न तालिबान यूं काबुल पर चढ़ आते और न अमेरिकी सैनिक शहीद होते। अपने देश में लोकतंत्र सुनिश्चित रखना और दूसरे देशों में तानाशाही या ताकत के सामने घुटने टेक देना उदारता नहीं है। ऐसी ही कथित उदारता पाकिस्तान जैसे देशों में आतंकवाद के पालन-पोषण की वजह है। अब अफगानियों को अपनी मिट्टी के प्रति सजग होना चाहिए। जो समूह अभी भी तालिबान से लोहा ले रहे हैं, उनके साथ खड़े होने का वक्त है। अफगानियों को अपना हित देखना चाहिए। ऐसे नेता या राष्ट्रपति की जरूरत नहीं, जो डर के मारे खजाना समेटकर रातोंरात नौ दो ग्यारह हो जाए। यह अफगानी मिट्टी में पैदा बंदूकधारी कायरों को नहीं, बल्कि इंसानियत के प्रति सजग वीरों और उनके संगठनों को सही मायने में मजबूत करने का वक्त है। यह काम अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के लोग घर बैठे कर सकते थे और कर सकते हैं।

अध्यात्म के विराट आकाश में श्रीकृष्ण की चमक

जन्माष्टमी विशेष: - ललित गर्ग

श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत नायक हैं। उनका जन्मोत्सव मानवजाति में उल्लास-उमंग को संचार करने के साथ नवीन मानवता के अभ्युदय का प्रतीक है, क्योंकि उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन-दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। उनकी जीवन-कथा चमत्कारों से भरी है, लेकिन वे हमें जितने करीब लगते हैं, उतना और कोई नहीं। वे ईश्वर हैं पर उससे भी पहले सफल, गुणवान और दिव्य मनुष्य है। ईश्वर होते हुए भी सबसे ज्यादा मानवीय लगते हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण को मानवीय भावनाओं, इच्छाओं और कलाओं का प्रतीक माना गया है। वे अर्जुन को संसार का रहस्य समझाते हैं, वे कंस का वध करते हैं, लेकिन उनकी छवि एक सखा की है जिसे यमुना के किनारे ग्वाले के साथ शरारत या गोपियों के साथ रास रचाते देखा जाता है। श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में लोकनायक हैं, जो अपनी दैवीय शक्तियों से द्वापर के आसमान पर छा नहीं जाते, बल्कि एक राहत भरे अहसास की तरह पौराणिक घटनाओं की पृष्ठभूमि में बने रहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण व्यतिव हैं जिनकी तुलना न किसी अवतार से की जा सकती है और न संसार के किसी महापुरुष से। उनके जीवन की प्रत्येक लीला में, प्रत्येक घटना में एक ऐसा विरोधाभास दीखता है जो साधारणत: समझ में नहीं आता है। यही उनके जीवन चरित की विलक्षणता है और यही उनका विलक्षण: जीवन दर्शन भी है। ज्ञानी-ध्यानी जिन्हें खोजते हुए हार जाते हैं, जो न ब्रह्म में मिलते हैं, न पुराणों में और न वेद की ऋचाओं में, वे मिलते हैं ब्रजभूमि की किसी कुंज-निकुंज में राधारानी के पैरों को दबाते हुए- यह श्रीकृष्ण के चरित्र की विलक्षणता ही तो है कि वे अजन्मा होकर भी पृथ्वी पर जन्म लेते हैं। मृत्युंजय होने पर भी मृत्यु का वरण करते हैं। वे सर्वशक्तिमान होने पर भी जन्म लेते हैं कंस के बन्दीगृह में। दरअसल, श्रीकृष्ण में वह सब कुछ है जो मानव में है और मानव में नहीं भी है! वे संपूर्ण हैं, तेजोमय हैं, ब्रह्म हैं, ज्ञान हैं। इसी अमर ज्ञान की बदौलत उनके जीवन प्रसंगों और गीता के आधार पर कई ऐसे नियमों एवं जीवन सूत्रों को प्रतिपादित किया गया है, जो कलयुग में भी लागू होते हैं। जो छल और कपट से भरे इस युग में धर्म के अनुसार किस प्रकार आचरण करना चाहिए, किस प्रकार के व्यवहार से हम दूसरों को नुकसान न पहुंचाते हुए अपना फायदा देखें, इस तरह की सीख देते हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर हमें उनकी शिक्षाओं एवं जीवनसूत्रों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला भी सिखाते है। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक जगत् में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युगावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान् क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल-निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है- हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिकाधीश भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। समाज व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। वास्तव में श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व भारतीय इतिहास के लिये ही नहीं, विश्व इतिहास के लिये भी अलौकिक एवम् आकर्षक व्यक्तित्व है और सदा रहेगा। उन्होंने विश्व के मानव मात्र के कल्याण के लिये अपने जन्म से लेकर निर्वाणपर्यन्त अपनी सरस एवं मोहक लीलाओं तथा परम पावन उपदेशों से अन्त: एवं बाह्य दृष्टि द्वारा जो अमूल्य शिक्षण दिया था वह किसी वाणी अथवा लेखनी की वर्णनीय शक्ति एवं मन की कल्पना की सीमा में नहीं आ सकता। महाभारत का युद्ध तो लगातार चलने वाली लड़ाई का चरम था जिसे श्रीकृष्ण ने जन्मते ही शुरू कर दिया था। हर युग का समाज हमारे सामने कुछ सवाल रखता है। श्रीकृष्ण ने उन्हीं सवालों का जवाब दिए और तारनहार बने। आज भी लगभग वही सवाल हमारे सामने मुंह बाए खड़े हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि श्रीकृष्ण के चकाचैंध करने वाले वंदनीय पक्ष की जगह अनुकरणीय पक्ष की ओर ध्यान दिया जाए ताकि फिर इन्हीं जटिलता के चक्रव्यूह से समाज को निकाला जा सके। उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व धार्मिक इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है। उनकी संतुलित एवं समरसता की भावना ने उन्हें अनपढ़ ग्वालों, समाज के निचले दर्जे पर रहने वाले लोगों, उपेक्षा के शिकार विकलांगों का प्रिय बनाया। श्रीकृष्ण का चरित्र अत्यन्त दिव्य है । हर कोई उनकी ओर खिंचा चला जाता है । जो सबको अपनी ओर आकर्षित करे, भक्ति का मार्ग प्रशस्त करे, भक्तों के पाप दूर करे, वही श्रीकृष्ण है। वह एक ऐसा आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात् मूर्ति थे। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव सामाजिक समता का उदाहरण है। उन्होंने नगर में जन्म लिया और गाँव में खेलते हुए उनका बचपन व्यतीत हुआ। इस प्रकार उनका चरित्र गाँव व नगर की संस्कृति को जोड़ता है, गरीब को अमीर से जोड़ता है, गो चरक से गीता उपदेशक होना, दुष्ट कंस को मारकर महाराज उग्रसेन को उनका राज्य लौटाना, धनी घराने का होकर गरीब ग्वाल बाल एवं गोपियों के घर जाकर माखन खाना आदि जो लीलाएँ हैं ये सब एक सफल राष्ट्रीय महामानव होने के उदाहरण हैं। कोई भी साधारण मानव श्रीकृष्ण की तरह समाज की प्रत्येक स्थिति को छूकर, सबका प्रिय होकर राष्ट्रोद्धारक बन सकता है। कंस के वीर राक्षसों को पल में मारने वाला अपने प्रिय ग्वालों से पिट जाता है, खेल में हार जाता है। यही है दिव्य प्रेम की स्थापना का उदाहरण । भगवान श्रीकृष्ण की यही लीलाएँ सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रप्रियता का प्रेरक मानदण्ड हैं। अध्यात्म के विराट आकाश में श्रीकृष्ण ही अकेले ऐसे व्यक्ति हैं जो धर्म की परम गहराइयों व ऊँचाइयों पर जाकर भी न तो गम्भीर ही दिखाई देते हैं और न ही उदासीन दीख पड़ते हैं, अपितु पूर्ण रूप से जीवनी शक्ति से भरपूर व्यक्तित्व हैं। श्रीकृष्ण के चरित्र में नृत्य है, गीत है, प्रीति है, समर्पण है, हास्य है, रास है, और है आवश्यकता पड़ने पर युद्ध को भी स्वीकार कर लेने की मानसिकता। धर्म व सत्य की रक्षा के लिए महायुद्ध का उद्घोष है। एक हाथ में बाँसुरी और दूसरे हाथ में सुदर्शन चक्र लेकर महाइतिहास रचने वाला कोई अन्य व्यक्तित्व नहीं हुआ संसार में।

श्रीकृष्ण के चरित्र में कहीं किसी प्रकार का निषेध नहीं है, जीवन के प्रत्येक पल को, प्रत्येक पदार्थ को, प्रत्येक घटना को समग्रता के साथ स्वीकार करने का भाव है। वे प्रेम करते हैं तो पूर्ण रूप से उसमें डूब जाते हैं, मित्रता करते हैं तो उसमें भी पूर्ण निष्ठावान रहते हैं, और जब युद्ध स्वीकार करते हैं तो उसमें भी पूर्ण स्वीकृति होती है। जन्माष्टमी पर हम श्रीकृष्ण को नमन करते हैं जिनके जीवन की रोशनी हमारे जीवन के अंधेरों को हरने वाली है।

'आज के ट्वीट

जिम्मेदारी

मेरी मुलाकात जदुरानी दासी जी से हुई। वह इस्कॉन से जुड़ी हैं, उनकी विशेषता है कि वह भक्ति आर्ट में निपुण हैं। दुनिया के लोग जब आज भारतीय अध्यात्म और दर्शन के बारे में इतना कुछ सोचते हैं तो हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अपनी महान परंपराओं को आगे लेकर जायें: PM @NarendraModi जी

- पियुष गोयल

ज्ञान गंगा

जीवन में सुख

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक व्यक्ति था। उसके पास नौकरी, घर-परिवार, रुपया-पैसा, रिश्तेदार और बच्चे, सभी कुछ था। कहने का सार यह है कि उस व्यक्ति के पास किसी चीज की कोई कमी नहीं थी। अब जीवन है तो कुछ परेशानियां भी थीं उसके जीवन में, जिनसे हर पल वह जूझता ही रहता था। वह किसी भी तरह अपनी परेशानियों से मुक्ति चाहता था, कि जीवन में सुख-शांति से रह सके। एक बार किसी ने उसे बताया कि नगर की सीमा पर कोई बहुत बड़े संत ठहरे हुए हैं, जिनके पास हर समस्या और प्रश्न का हल है। इतना सुनते ही वह व्यक्ति भागा-भागा संत की कुटिया पर पहुंचा। वहां भीड़ बहुत होने के कारण उसकी बारी आते-आते रात हो गई। उसने संत से पूछा, 'बाबा, मेरे जीवन की परेशानियां कैसे खत्म होंगी? मैं भी सुख-शांति से जीवन जीना चाहता हूं'। संत ने कहा, 'इसका उत्तर मैं कल सुबह दूंगा। तब तक तुम एक काम करो। मेरे साथ जो ऊंटों का रखवाला आया था, वो बीमार हो गया। तुम आज की रात ऊंटों की देखभाल का जिम्मा ले लो। जब ये सभी ऊंट सो जाएं, तब तुम भी सो लेना'। सुबह वह व्यक्ति संत के पास पहुंचा और कहने लगा, 'मैं तो रात भर जगा रहा, सो ही नहीं पाया। कभी कोई ऊंट खड़ा हो जाता, तो कभी कोई। एक को बिठाने का प्रयास करता तो दूसरा खड़ा हो जाता। कई ऊंट तो बैठना ही नहीं चाहते तो कई ऊंट थोड़ी देर में अपने आप बैठ जाते। कुछ ऊंटों ने तो बैठने में बहुत ही समय लिया। मैं तो सारी रात भाग-दौड़ ही करता रहा'। संत ने मुस्कुराहट के साथ कहा, 'यही तुम्हारे कल के प्रश्न का उत्तर है। कल पूरी रात का घटनाक्रम तुम्हारा जीवन है। अगर ऊंटों को परेशानियां मान लिया जाए तो समझना आसान होगा कि जीवन में कभी भी किसी भी क्षण सारी परेशानियां खत्म नहीं हो सकतीं। कुछ-ना-कुछ हमेशा लगा ही रहेगा। लेकिन इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि हम जीवन का आनंद ही ना लें। हमें समस्याओं के बीच रहते हुए भी सुख के पल खोजने होंगे'। संत ने आगे कहा, 'अगर तुम्हारे जीवन में समस्याओं का तांता लगा हुआ है, तो उन्हें सुलझाने का प्रयास करना चाहिए, लेकिन हर पल उनके पीछे ही नहीं भागना चाहिए। ऊंटों के व्यवहार से तुम जान गए होगे कि कुछ समस्याएं कोशिशों से खत्म हो जाती हैं, तो कुछ अपने आप सुलझ जाती हैं। लेकिन इस बीच कुछ नई समस्याएं भी जन्म लेंगी, जिनका सामना तुम्हें करना ही पड़ेगा और इस तरह जीवन चलता रहेगा'।

किसी राष्ट्र की मजबूती से ही उसका विकास सम्भव

- रंजना मिश्रा

हम आज जो हालात अफगानिस्तान में देख रहे हैं, उसे देख कर यही विचार आता है कि यदि कोई राष्ट्र मजबूत न हो तो उस राष्ट्र के नागरिकों का बैंक बैलेंस, बंगला, गाड़ी, बिजनेस और पढ़ाई-लिखाई उनके किसी काम की नहीं रह जाती। यदि देश आत्मनिर्भर न हो तो नागरिकों की संपत्ति की भी कोई कीमत नहीं रह जाती। अफगानिस्तान की तरह यदि कोई देश दूसरे देशों की मदद पर आश्रित हो, दूसरे देशों की सेना पर आश्रित हो और उसकी सरकार में कड़े फैसले लेने की ताकत ना हो तो ऐसी स्थिति में उस देश के लोगों की ताकत का भी कोई वजूद नहीं रह जाता। मतलब यह है कि यदि किसी देश का नेतृत्व ही कमजोर हो, तो सब कुछ होने के बावजूद संकट की स्थिति में उस देश के नागरिकों को एक दिन अपना सब कुछ छोड़ कर अपने देश से भागना पड़ सकता है। ऐसे और दूसरे देश में शरणार्थी बनकर जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, क्योंकि कमजोर और स्वार्थी नेता देश में संकट की स्थिति आने पर या तो अपने लोगों को छोड़कर भाग जाते हैं या फिर दूसरे देशों के साथ सौदा कर लेते हैं, जैसा कि अफगानिस्तान में हुआ है। अफगानिस्तान के अनुभव बहुत कुछ सिखाते हैं। हमें चुनाव के वक्त वोट देते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे द्वारा चुना हुआ नेता हमारे लिए और हमारे देश के लिए मजबूती से खड़ा रहे। वह कठिन परिस्थितियों में हमें छोड़कर भागे नहीं। हमें जाति, धर्म, मुफ्त की चीजों और किसी पार्टी विशेष के प्रति अपने लगाव के नाम पर वोट नहीं देना चाहिए, बल्कि हमारा वोट हमारे देश को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए। हमें देश का ऐसा नेतृत्व नहीं चुनना चाहिए जो केवल अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए और तुष्टीकरण के लिए काम करे।देश का नेतृत्व ऐसा होना चाहिए जो सही दिशा में उठाए गए अपने उचित कदमों से देश का सर्वांगीण विकास कर सके और देश को हर खतरे से बचाने की क्षमता रखता हो। एक भ्रष्टाचारी शासन देश को खोखला कर देता है और अंतत: उसका वही परिणाम होता है जो आज अफगानिस्तान का हुआ है। जब नेता सरकारी खजाने को अपना खजाना समझने लगते हैं, जनता का खून चूस-चूस कर खुद को पोषित करने लगते हैं तो न तो उस देश की जनता सुखी रह पाती है और ना ही देश सुरक्षित रह पाता है। किसी देश की सेना भी तभी शक्तिशाली होती है, जब उस देश की सरकार उसे मजबूत बनाने का पूरा प्रयास करे । अच्छी सेना और युद्ध के आधुनिक साजो-सामान होने के बावजूद यह निश्चित नहीं होता कि वह देश सुरक्षित ही रह पाएगा, जब तक कि सेना के प्रत्येक जवान में अपने राष्ट्र के लिए मर मिटने की भावना और देश के शीर्ष नेतृत्व में देश की सुरक्षा को लेकर कड़े निर्णय लेने की इच्छाशक्ति न हो। जब देश सही हाथों में सुरक्षित रहेगा, तभी उस देश की जनता भी सुरक्षित रह पाएगी अन्यथा हालात बदलते देर नहीं लगती।आज हम देखते हैं कि लोकतांत्रिक देशों में जनता भी लोकतंत्र से मिलने वाली आजादी का गलत फायदा उठाने से नहीं चूकती। यहां तक कि अब तो संविधान का भी गलत इस्तेमाल होने लगा है। बुद्धिजीवी कहे जाने वाले लोग भी, मानवाधिकार के नाम पर आतंकवादियों का पक्ष लेने से पीछे नहीं हटते। अपने निजी स्वार्थ एवं सत्ता की लालच में अनेक स्वार्थी गुट एवं विपक्षी पार्टियों द्वारा सरकार के सही फैसलों का भी जमकर विरोध किया जाता है। विरोध के नाम पर बड़े-बड़े आंदोलन महीनों तक चलते हैं, देश की महत्वपूर्ण सड़कों और हाईवे तक को जाम कर दिया जाता है। विरोध प्रदर्शन के दौरान लोग सरकारी और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने से भी बाज नहीं आते, वे ये भी नहीं सोचते कि आखिर वो अपने ही देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं और इसका खामियाजा किसी न किसी रूप में उन्हें ही भुगतना पड़ेगा। विपक्षी दल कुर्सी की लालच में जनता को भड़काते हैं और सत्तारूढ़ दल द्वारा राष्ट्र हित में लिए गए सही फैसलों और कानूनों को भी संसद में पारित नहीं होने देते। इतना ही नहीं, कुर्सी पाने की लालच में वे विदेशों से भी सांठगांठ करने में संकोच नहीं करते। एक राष्ट्र की मजबूती और सुरक्षा राष्ट्र की सरकार के साथ-साथ उसके नागरिकों पर भी निर्भर करती है। इसलिए किसी भी नागरिक को ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए, जो उसके देश के हित में न हो और देश को कमजोर करे। एक अच्छे राष्ट्र के लिए उसके नागरिकों का भ्रष्टाचार मुक्त होना, राष्ट्र भक्त होना और कर्तव्य परायण होना बहुत जरूरी है। जब देश का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के हितों का ध्यान रखेगा तो राष्ट्र अपने आप ही मजबूत बनता चला जाएगा। किसी राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि ही उस राष्ट्र के नागरिकों की असली प्रगति एवं समृद्धि है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

क्यों मनायी जाती हैं 'कृष्ण जन्माष्टमी'

जन्माष्टमी के त्यौहार में भगवान विष्णु की, श्री कृष्ण के रूप में, उनकी जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना की जाती है। हिन्दुओं का यह त्यौहार श्रावण (जुलाई-अगस्त) के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भारत में मनाया जाता है। हिन्दु पौराणिक कथा के अनुसार कृष्ण का जन्म, मथुरा के असुर राजा कंस, जो उसकी सदाचारी माता का भाई था, का अंत करने के लिए हुआ था।

'जन्माष्टमी' के त्यौहार में भगवान विष्णु की, श्री कृष्ण के रूप में, उनकी जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना की जाती है। हिन्दुओं का यह त्यौहार श्रावण (जुलाई-अगस्त) के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भारत में मनाया जाता है। हिन्दु पौराणिक कथा के अनुसार कृष्ण का जन्म, मथुरा के असुर राजा कंस, जो उसकी सदाचारी माता का भाई था, का अंत करने के लिए हुआ था।

जन्माष्टमी के अवसर पर पुरूष व औरतें उपवास व प्रार्थना करते हैं। मन्दिरों व घरों को सुन्दर ढंग से सजाया जाता है व प्रकाशित किया जाता है। उत्तर प्रदेश के वृन्दावन के मन्दिरों में इस अवसर पर खर्चीले व रंगारंग समारोह आयोजित किए जाते हैं। कृष्ण की जीवन की घटनाओं की याद को ताजा करने व राधा जी के साथ उनके प्रेम का स्मरण करने के लिए रास लीला की जाती है। इस त्यौहार को कृष्णाष्टमी अथवा गोकुलाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

बाल कृष्ण की मूर्ति को आधी रात के समय स्नान कराया जाता है तथा इसे हिन्डौले में रखा जाता है। पूरे उत्तर भारत में इस त्यौहार के उत्सव के दौरान भजन गाए जाते हैं व नृत्य किया जाता है।

मानव जीवन सबसे सुंदर और सर्वोत्तम होता है। मानव जीवन की खुशियों का कुछ ऐसा जलवा है कि भगवान भी इस खुशी को महसूस करने समय-समय पर धरती पर आते हैं। शास्त्रों के अनुसार भगवान विष्णु ने भी समय-समय पर मानव रूप लेकर इस धरती के सुखों को भोगा है। भगवान विष्णु का ही एक रूप कृष्ण जी का भी है जिन्हें लीलाधर और लीलाओं का देवता माना जाता है।

कृष्ण को लोग रास रसिया, लीलाधर, देवकी नंदन, गिरिधर जैसे हजारों नाम से जानते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा बताई गई गीता को हिंदू धर्म के सबसे बड़े ग्रंथ और पथ प्रदर्शक के रूप में माना जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी कृष्ण जी के ही जन्मदिवस के रूप में प्रसिद्ध है।

मान्यता है कि द्वापर युग के अंतिम चरण में भाद्रपद माह के कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। इसी कारण शास्त्रों में भाद्रपद कृष्ण अष्टमी के दिन अर्द्धरात्रि में श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी मनाने का उल्लेख मिलता है। पुराणों में इस दिन व्रत रखने को बेहद अहम बताया गया है। इस साल जन्माष्टमी 10 अगस्त यानी आज है।

कृष्ण जन्म कथा

श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की मध्यरात्रि को रोहिणी नक्षत्र में देवकी व श्रीवसुदेव के पुत्र रूप में हुआ था। कंस ने अपनी मृत्यु के भय से अपनी बहन देवकी और वसुदेव को कारागार में कैद किया हुआ था। कृष्ण जी जन्म के समय घनघोर वर्षा हो रही थी। चारो ओर घना अंधकार छाया हुआ था। भगवान के निर्देशानुसार कुष्ण जी को रात में ही मथुरा के कारागार से गोकुल में नंद बाबा के घर ले जाया गया।

नन्द जी की पत्नी यशोदा को एक कन्या हुई थी। वासुदेव श्रीकृष्ण को यशोदा के पास सुलाकर उस कन्या को अपने साथ ले गए। कंस ने उस कन्या को वासुदेव और देवकी की संतान समझ पटककर मार डालना चाहा लेकिन वह इस कार्य में असफल ही रहा। दैवयोग से वह कन्या जीवित बच गई। इसके बाद श्रीकृष्ण का लालन-पालन यशोदा व नन्द ने किया। जब श्रीकृष्ण जी बड़े हुए तो उन्होंने कंस का वध कर अपने माता-पिता को उसकी कैद से मुक्त कराया।

जन्माष्टमी में हांडी फोड़

श्रीकृष्ण जी का जन्म मात्र एक पूजा अर्चना का विषय नहीं बल्कि एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस उत्सव में भगवान के श्रीविग्रह पर कपूर, हल्दी, दही, घी, तेल, केसर तथा जल आदि चढ़ाने के बाद लोग बड़े हर्षोल्लास के साथ इन वस्तुओं का परस्पर विलेपन और सेवन करते हैं।

महाराष्ट्र में जन्माष्टमी के दौरान, कृष्ण के द्वारा बचपन में लटके हुए छींकों (मिट्टी की मटकियों), जो कि उसकी पहुंच से दूर होती थीं, से दही व मक्खन चुराने की कोशिशों करने का उल्लासपूर्ण अभिनय किया जाता है। इन वस्तुओं से भरा एक मटका अथवा पात्र जमीन से ऊपर लटका दिया जाता है, तथा युवक व बालक इस तक पहुंचने के लिए मानव पिरामिड बनाते हैं और अन्ततः इसे फोड़ डालते हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत के नियम, कैसे करें श्रृंगार, कैसी हो प्रतिमा

भगवान कृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को होने के कारण इसको कृष्ण जन्माष्टमी कहते हैं। भगवान कृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को हुआ था, इसलिए जन्माष्टमी के निर्धारण में अष्टमी तिथि का बहुत ज्यादा ध्यान रखते हैं।

इस दिन श्रीकृष्ण की पूजा करने से संतान प्राप्ति,आयु और समृद्धि की प्राप्ति होती है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाकर हर मनोकामना पूरी की जा सकती है। जिन लोगों का चंद्रमा कमजोर हो वे आज विशेष पूजा से लाभ पा सकते हैं। इस बार जन्माष्टमी का संयोग 30 अगस्त 2021 को बन रहा है।

कैसे करें जन्माष्टमी के लिए श्री कृष्ण की मूर्ति का चुनाव?

सामान्यतः जन्माष्टमी पर बाल कृष्ण की स्थापना की जाती है। आप अपनी आवश्यकता और मनोकामना के आधार पर जिस स्वरूप को चाहें स्थापित कर सकते हैं।

प्रेम और दाम्पत्य जीवन के लिए राधा कृष्ण की, संतान के लिए बाल कृष्ण की और सभी मनोकामनाओं के लिए बंशी वाले कृष्ण की स्थापना करें। इस दिन शंख और शालिग्राम की स्थापना भी कर सकते हैं।

क्या होगा श्रृंगार?

श्री कृष्ण के श्रृंगार में फूलों का खूब प्रयोग करें। पीले रंग के वस्त्र, गोपी चन्दन और चन्दन की सुगंध से इनका श्रृंगार करें। काले रंग का प्रयोग न करें। वैजयंती के फूल अगर कृष्ण जी को अर्पित किए जाएं तो सर्वोत्तम होगा। सुंदर दिखने वाली हर सामग्री कान्हा पूजा में प्रयोग करें...

क्या होगा इनका प्रसाद?

पंचामृत जरूर अर्पित करें। उसमे तुलसी दल भी जरूर डालें। मेवा, माखन और मिसरी का भोग भी लगाएं। कहीं-कहीं, धनिये की पंजीरी भी अर्पित की जाती है। पूर्ण सात्विक भोजन जिसमें तमाम तरह के व्यंजन हों, इस दिन श्री कृष्ण को अर्पित किए जाते हैं।

कैसे मनाएं जन्माष्टमी का पर्व?

प्रातःकाल स्नान करके व्रत या पूजा का संकल्प लें। दिन भर जलाहार या फलाहार ग्रहण करें और सात्विक रहें। मध्यरात्रि को भगवान कृष्ण की धातु की प्रतिमा को किसी पात्र में रखें। उस प्रतिमा को पहले दूध, दही, शहद, शर्करा और अंत में घी से स्नान कराएं। इसी को पंचामृत स्नान कहते हैं।

इसके बाद प्रतिमा को जल से स्नान कराएं। तत्पश्चात पीताम्बर, पुष्प और प्रसाद अर्पित करें। ध्यान रखें की अर्पित की जाने वाली चीजें शंख में डालकर ही अर्पित की जाएंगी। पूजा करने वाला व्यक्ति काले या सफेद वस्त्र धारण नहीं करेगा। इसके बाद अपनी मनोकामना के अनुसार मंत्र जाप करें। अंत में प्रसाद ग्रहण करें और वितरण करें।

एक योद्धा के रूप में श्रीकृष्ण

भगवान श्री कृष्ण ने अपनी औपचारिक शिक्षा उज्जैन के संदीपनी आश्रम में मात्र कुछ महीनों में पूरी कर ली थी। जहां उन्होंने 16 विद्या और 64 कलाओं को सीखा था। भगवान श्रीकृष्ण प्रेम में जितने पारंगत थे उतने ही युद्ध में भी पारंगत था। उन्होंने अपने जीवन में कई युद्ध लड़े। आओ जानते हैं उनके युद्ध संबंधी 13 रोचक जानकारी।

1. जनसामान्य में यह भ्रांति स्थापित है कि अर्जुन सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे, परंतु वास्तव में श्रीकृष्ण इस विधा में भी सर्वश्रेष्ठ थे और ऐसा सिद्ध हुआ मद्र राजकुमारी लक्ष्मणा के स्वयंवर में जिसकी प्रतियोगिता द्रौपदी स्वयंवर के ही समान परंतु और कठिन थी। यहां कर्ण व अर्जुन दोंनों असफल हो गए और तब श्री कर्ष्णि ने लक्ष्यवेध कर लक्ष्मणा की इच्छा पूरी की, जो पहले से ही उन्हें अपना पति मान चुकीं थीं।
2. भगवान् श्री कृष्ण के खड्ग का नाम नंदक, गदा का नाम कौमौदकी और शंख का नाम पांचजन्य था जो गुलाबी रंग का था।
3. भगवान् श्री कृष्ण के धनुष का नाम शारंग व मुख्य आयुध चक्र का नाम सुदर्शन था। वह लौकिक, दिव्यास्त्र व देवास्त्र तीनों रूपों में कार्य कर सकता था उसकी बराबरी के विध्वंसक केवल दो अस्त्र और थे पाशुपतास्त्र (शिव, कर्ष्णि और अर्जुन के पास थे) और प्रस्वपास्त्र (शिव, वसुगण, भीष्म और कृष्ण के पास थे)।
4. प्रचलित अनुश्रुतियों के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने मार्शल आर्ट का विकास ब्रज क्षेत्र के वनों में किया था। डांडिया रास का आरंभ भी उन्हीं ने किया था।
5. कलारीपट्टु का प्रथम आचार्य कृष्ण को माना जाता है। इसी कारण नारायणी सेना भारत की सबसे भयंकर प्रहारक सेना बन गई थी। भगवान् श्री कृष्ण ने कलारिपट्टु की नींव रखी जो बाद में बोधिधर्मन से होते हुए आधुनिक मार्शल आर्ट में विकसित हुई।
6. भगवान श्रीकृष्ण के रथ का नाम जैत्र था और उनके सारथी का नाम दारुक/बाहुक था। उनके घोड़ों (अश्वों) के नाम थे शैव्य, सुग्रीव, मेघपुष्प और बलाहक।
7. भगवान् श्री युद्ध कृष्ण ने कई अभियान और युद्धों का संचालन किया था, परंतु इनमे तीन सर्वाधिक भयंकर थे। 1- महाभारत, 2- जरासंध और कालयवन के विरुद्ध 3- नरकासुर के विरुद्ध
8. भगवान् श्री कृष्ण ने केवल 16 वर्ष की आयु में विश्वप्रसिद्ध चाणूर और मुष्टिक जैसे मल्लों का वध किया। मथुरा में दुष्ट रजक के सिर को हथेली के प्रहार से काट दिया।
9. भगवान् श्री कृष्ण ने असम में बाणासुर से युद्ध के समय भगवान शिव से युद्ध के समय माहेश्वर ज्वर के विरुद्ध वैष्णव ज्वर का प्रयोग कर विश्व का प्रथम जीवाणु युद्ध किया था।
10. भगवान् श्री कृष्ण के जीवन का सबसे भयानक द्वंद्व युद्ध सुभद्रा की प्रतिज्ञा के कारण अर्जुन के साथ हुआ था, जिसमें दोनों ने अपने अपने सबसे विनाशक शस्त्र क्रमशः सुदर्शन चक्र और पाशुपतास्त्र निकाल लिए थे। बाद में देवताओं के हस्तक्षेप से दोनों शांत हुए।
11. भगवान श्री कृष्ण की मांसपेशियां मृदु परंतु युद्ध के समय विस्तर्ति हो जातीं थीं, इसलिए सामान्यतः लड़कियों के समान दिखने वाला उनका लावण्यमय शरीर युद्ध के समय अत्यंत कठोर दिखाई देने लगता था ठीक ऐसे ही लक्ष्ण कर्ण व द्रौपदी के शरीर में देखने को मिलते थे।
12. भगवान श्री कृष्ण के शरीर से एक मादक गंध निकलती थी। जिसे युद्ध काल में छुपाने का वे हर समय प्रयत्न करते रहते थे।
13. भगवान कृष्ण ने यूं तो कई असुरों का वध किया जिनमें पूतना, शकटासुर, कालिया, यमुलार्जन, धेनुक, प्रलंब, अरिष्ट आदि। लेकिन उन्होंने कई युद्ध भी लड़े थे, जैसे चाणुर और मुष्टिक के बाद कंस से युद्ध, जरासंध से युद्ध, कालयवन से युद्ध, शिवजी से युद्ध, अर्जुन से युद्ध, नरकासुर से युद्ध, जामवंतजी से युद्ध, पौंड्रक से युद्ध आदि। उल्लेखनीय है कि श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध में भाग तो लिया था परंतु शस्त्र नहीं उठाए थे।

पेंशनभोगियों की पेंशन को आयकर मुक्त करने की मांग, प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

नई दिल्ली: पेंशनभोगियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश के वरिष्ठ नागरिकों को राहत के लिए पेंशन को आयकर से मुक्त करने की मांग की है। पेंशनभोगियों के निकाय भारतीय पेंशनभोगी मंच ने इस बारे में 25 अगस्त को प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। पत्र में दलील दी गई है कि जब सांसदों और विधायकों की पेंशन पर कर नहीं लगता है, तो सरकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाली पेंशन पर आयकर क्यों लेती है। पत्र में कहा गया है कि प्रत्येक सेवानिवृत्त व्यक्ति को पेंशन का भुगतान बरसों तक देश की सेवा के लिए किया जाता है। मंच ने कहा, ''अब सवाल उठता है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर आयकर क्यों लगता है। यह किसी सेवा या कार्य से मिलने वाली आय नहीं है। यदि सांसद और विधायकों की पेंशन करमुक्त है, तो हमारी पेंशन पर कर क्यों लिया जाता है।'' पेंशनभोगी मंच ने 23 जुलाई, 2018 को महाराष्ट्र के शिरडी में अपने पहले अखिल भारतीय सम्मेलन में यह प्रस्ताव दिया था कि पेंशन को आयकर से छूट मिलनी चाहिए। उसके बाद से संगठन द्वारा लगातार यह मुद्दा वित्त मंत्री के साथ भी उठाया गया। पत्र में प्रधानमंत्री से इस मुद्दे को लेकर हस्तक्षेप की अपील की गई है। मंच ने कहा कि उसने इस मुद्दे पर वित्त मंत्री को 23 अगस्त, 2018, 14 दिसंबर, 2018 और 25 फरवरी, 2021 को पत्र लिखा था। मंच ने कहा कि इस मुद्दे पर अभी तक कुछ नहीं किया गया है।

जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई करने से भारत के लिए 11,000 अरब डॉलर के अवसर पैदा होंगे: रिपोर्ट

नयी दिल्ली, डेलॉयट इकनॉमिक्स इंस्टिट्यूट की एक नयी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को निरंतर जलवायु परिवर्तन के कारण अगले 50 वर्षों में 35,000 अरब डॉलर की आर्थिक क्षमता के नुकसान को रोकने के लिए इस समय कार्रवाई करनी चाहिए। 'इंडियाज टर्निंग पॉइंट: हाऊ क्लाइमेट एक्शन कैन ड्राइव अवर इकनॉमिक फ्यूचर' शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत आर्थिक क्षमता के नुकसान के बजाय कैसे इसी अवधि में, बढ़ते वैश्विक तापमान को सीमित करके और दुनिया का 'डीकार्बनाइजेशन का निर्यात' कर अपनी क्षमता को हासिल करके 11,000 अरब डॉलर का आर्थिक मूल्य प्राप्त कर सकता है। डीकार्बनाइजेशन का मतलब कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम करना होता है। डेलॉइट इंडिया के चेयरपर्सन अतुल धवन ने कहा, हमारे पास जलवायु परिवर्तन के रुख के बदलने की खातिर जरूरी फैसले लेने को 10 वर्ष की छोटी सी अवधि है। कोई भी जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से सुरक्षित नहीं है, लेकिन भारत के लिए यह नेतृत्व करने का और यह दिखाने का अवसर है कि कैसे जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई लागत से जुड़ी नहीं है बल्कि इसका संबंध सतत आर्थिक वृद्धि से है। उन्होंने कहा कि ऐसे में जब भारत 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहता है, विकास को गति देने के लिहाज से ना केवल विदेशी एवं घरेलू निवेश महत्वपूर्ण होंगे, बल्कि देश को अपनी महत्वाकांक्षाओं को जलवायु विकल्पों के साथ जोड़ने के लिए भी इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन को लेकर कोई कार्रवाई ना किए जाने से, इस सदी के अंत तक औसत वैश्विक तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक की वृद्धि हो सकती है। इसमें कहा गया है कि इससे लोगों के लिए जीना और काम करना कठिन हो जाएगा, क्योंकि जब समुद्र का स्तर बढ़ता है, फसल की पैदावार गिरती है, बुनियादी ढांचे को नुकसान होता है, और अन्य चुनौतियाँ सामने आती हैं, जिनसे हाल के दशकों में देश द्वारा हासिल की गयी आर्थिक प्रगति एवं समृद्धि खतरे में पड़ जाएगी।

भारत में 2021-22 मे 8,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी टाटा स्टील: सीईओ

नई दिल्ली:

घरेलू इस्पात कंपनी टाटा स्टील चालू वित्त वर्ष में अपने भारतीय परिचालन पर 8,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने यह जानकारी दी। नरेंद्रन ने कहा कि यह राशि मुख्य रूप से कलिंगनगर संयंत्र के विस्तार तथा खनन परिचालन और पुनर्चक्रीकरण (रिसाइक्लिंग) कारोबार के विस्तार पर खर्च की जाएगी। उनसे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए टाटा स्टील की भारतीय कारोबार की योजनाओं के बारे में पूछा गया था।

उन्होंने कहा कि यह राशि यूरोपीय परिचालन पर किए जाने वाले 3,000 करोड़ रुपए के निवेश के अतिरिक्त होगी। सीईओ ने कहा, ''व्यापक रूप से भारत के लिए हमारा निवेश 8,000 करोड़ रुपए रहेगा। नरेंद्रन ने कहा कि इसमें से अच्छी-खासी राशि कलिंगनगर के विस्तार पर खर्च की जाएगी। हम अपने कच्चे माल पर खर्च को भी बढ़ाएंगे क्योंकि कलिंगनगर के विस्तार को समर्थन के लिए हम अपनी लौह अयस्क खनन क्षमता का विस्तार जारी रखेंगे। ऐसे में कलिंगनगर और कच्चे माल पर हमारा खर्च 8,000 करोड़ रुपए रहेगा। टाटा स्टील अपने ओडिशा के कलिंगनगर संयंत्र की क्षमता को 50 लाख टन सालाना बढ़ाकर 80 लाख टन सालाना करने जा रही है।

यह पूछे जाने पर कि क्या टाटा स्टील पुनर्चक्रीकरण कारोबार के लिए बाजार संभावनाएं तलाशेगी और 8,000 करोड़ रुपए में से कुछ इसमें लगाएगी, नरेंद्रन ने कहा कि कंपनी कबाड़ या स्क्रैप में अलग कारोबारी मॉडल अपनाती है। यह भागीदारी में होता है। उन्होंने कहा, ''हमें जो भी खर्च करने की जरूरत है, वह इसमें होगा लेकिन स्क्रैप में हमारे परिचालन का अलग मॉडल है। भागीदार सुविधाओं की स्थापना करेंगे। वे स्थापना करेंगे, हम गुणवत्ता का प्रबंधन करेंगे और इस्पात बेचेंगे। यह भागीदारी मॉडल में होगा।''

जून में कोयला आयात 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इस साल जून में देश का कोयला आयात 50 प्रतिशत बढ़कर 1.87 करोड़ टन हो गया है। एक ईकामर्स कंपनी से यह जानकारी मिली। पिछले साल जून में भारत का कोयला आयात 1.25 करोड़ टन रहा था। ईकामर्स कंपनी के मुताबिक जून में कोयला आयात 1.87 करोड़ टन रहा। समीक्षाधीन महीने में कोयले का आयात जून, 2020 की तुलना में 50.05 प्रतिशत बढ़ा है। जून, 2020 में देश का कोयला आयात 1.25 करोड़ टन रहा था। जून में प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहें से भारत का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के मई महीने की तुलना में 5.76 प्रतिशत घट गया। जून में कोयले के आयात में उम्मीद के अनुरूप मामूली गिरावट आई। यह रुख मानसून के दौरान जारी रहने की संभावना है, क्योंकि कीमतें कई साल के उच्चस्तर पर बनी हुई हैं। जून में कुल कोयला आयात में नॉन-कोकिंग कोल का हिस्सा 1.30 करोड़ टन रहा। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 82.8 लाख टन रहा था। वहीं इस दौरान कोकिंग कोयले का आयात 24.6 लाख टन से बढ़कर 40.6 लाख टन पर पहुंच गया। अप्रैल-जून, 2021 के दौरान कुल कोयला आयात पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि से करीब 32.13 प्रतिशत बढ़कर 6.09 करोड़ टन पर पहुंच गया।

हरमन ने भारत में नया स्टूडियो कंडेनसर माइक्रोफोन किया लॉन्च

बेंगलुरु। हरमन प्रोफेशनल सॉल्यूशंस ने भारत में एक नया जेबीएल कमर्शियल सीएसएसएम100 स्टूडियो कंडेनसर माइक्रोफोन लॉन्च किया है, जो फ्लिपकार्ट पर 4,999 रुपये में उपलब्ध है।यह नया स्टूडियो माइक्रोफोन सभी समाधानों के लिए एक आकार-फिट है, चाहे वह पेशेवरों, अभियोजकों या शौकिया लोगों के लिए ही क्यों ना हो। यह दर्शकों को पूरी तरह से आनंद लेने के लिए बेजोड़ ध्वनि गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए क्रिस्टल स्पष्ट और बिना विकृत ध्वनि प्रदान करता है। भारत और सार्क में हरमन प्रोफेशनल सॉल्यूशंस के वरिष्ठ निदेशक, बिक्री और विपणन, आदित्य टोडी ने एक बयान में कहा, उद्योग में सामग्री निर्माण और खपत में वृद्धि देखी जा रही है, जिसने घर में और छोटे स्टूडियो सेटअप को जन्म दिया है। टोडी ने कहा,स्टूडियो कंडेनसर माइक्रोफोन की यह किफायती रेंज आने वाले गायकों, वाद्ययंत्र बजाने वालों, सार्वजनिक वक्ताओं या गुणवत्ता वाले मजबूत माइक्रोफोन की तलाश करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए ऑडियो डिवाइस है। माइक्रोफोन को वोकल और इंस्ट्रूमेंट साउंड दोनों के लिए ऑडियो इनपुट के लिए डिजाइन किया गया है। जेबीएल सीएसएसएम100 एक उच्च-संवेदनशीलता वाला माइक्रोफोन है जो स्टूडियो रिकॉर्डिंग और ऑन-स्टेज प्रदर्शन दोनों के लिए उपयुक्त है। स्पष्ट आवाज और उपकरण रिकॉर्डिंग के लिए, माइक्रोफोन में एक उच्च हेडरूम के साथ व्यापक आवृत्ति प्रतिक्रिया होती है, जो किसी भी विकृति को कम करती है। 3-पिन एक्सएलआर कनेक्टर और स्टैंड एडेप्टर जैसी सुविधाजनक सुविधाओं के साथ, जेबीएल सीएसएसएम 100 एक कार्यात्मक, उपयोग में आसान माइक्रोफोन साबित होता है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.90 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,90,032.06 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) तथा विप्रो के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं इन्फोसिस और एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन घट गया। सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 60,183.57 करोड़ रुपए बढ़कर 13,76,102.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में टीसीएस ही रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 51,064.22 करोड़ रुपए बढ़कर 14,11,635.50 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 19,651.18 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 8,57,407.68 करोड़ रुपए तथा बजाज फाइनेंस का 18,518.27 करोड़ रुपए के उछाल से 4,20,300.85 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

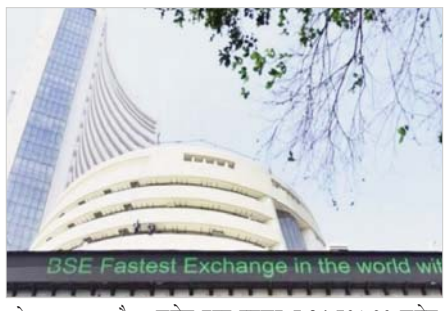

हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 14,215.01 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,29,231.64 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक की 13,361.63 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,84,858.91 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। समीक्षाधीन सप्ताह में विप्रो का बाजार मूल्यांकन 8,218.89 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 3,47,851 करोड़ रुपए पर और एसबीआई का 4,819.29 करोड़ रुपए की छलांग के साथ 3,68,006.36 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 10,053.22 करोड़ रुपए घटकर 7,24,701.90 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 738.75 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 4,90,991.24 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और विप्रो का स्थान रहा।

लद्दाख में, एयर बीएनबी और एसईडब्ल्यूए होस्ट एक अनूठा और यादगार अनुभव प्रदान करेंगे

नई दिल्ली।

एयर बीएनबी हम सब एक (हम एक हैं) पहल के तहत होम शेयरिंग, हॉस्पिटैलिटी, गुणवत्ता मानकों और जिम्मेदार होस्टिंग प्रथाओं पर सेल्फ एम्प्लॉयड वूमेन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सेवा) के सदस्यों को प्रशिक्षित करेगा, जबकि डिजिटल समावेश को बढ़ावा देगा और महिला मेजबानों को कनेक्ट करने में सक्षम करेगा। साथ में वे ज्यादातर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली 15 लाख स्व-रोजगार महिलाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे, और अब एयरबीएनबी ने प्लेटफॉर्म पर मेजबान के रूप में लद्दाख से सेवा सदस्यों को ऑनबोर्ड करने के लिए अपनी साझेदारी का विस्तार किया है। यह साझेदारी ग्रामीण लद्दाख में महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों का विस्तार करेगी और पर्यटन के पुनर्निर्माण के व्यापक प्रयासों का हिस्सा बनेगी जिससे समुदायों के लिए सकारात्मक परिणाम मिले। लद्दाख संस्कृति और पारिस्थितिक पर्यटन के लिए एक प्राचीन और अद्वितीय केंद्र के रूप में जाना जाता है। लद्दाख में एसईडब्ल्यूए होस्ट लेह लद्दाख के प्राचीन गांव पेयांग में एक अनूठा और यादगार अनुभव प्रदान करेगा। ये मेजबान नई स्थापित सौर रोशनी जैसी सुविधाओं के साथ आवास के माध्यम से ऊर्जा दक्षता और जिम्मेदार संसाधन उपयोग के मार्ग का नेतृत्व करेंगे। महिलाएं भारत में एयरबीएनबी के मेजबान समुदाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस साल 11 अगस्त तक, भारत में एक सूची के साथ नई महिला मेजबानों ने महामारी की शुरूआत के बाद से लगभग 30 मिलियन रुपये कमाए हैं और महिलाएं हमारे पूरे भारतीय मेजबान समुदाय का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बनाती हैं। होम शेयरिंग के माध्यम से, महिला मेजबान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में सक्षम हैं और कुछ महिला उद्यमियों ने पूर्णकालिक घरेलू मेजबान बनना अपनाया है। इस विस्तारित सहयोग की घोषणा पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित लद्दाख नई शुरूआत, नए लक्ष्य नामक एक संगोष्ठी से की थी। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अतिरिक्त महानिदेशक रूपिंदर बराड़ ने कहा कि एयरबीएनबी-सेवा साझेदारी इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे पर्यटन के लाभ समुदायों की बेहतर सेवा कर सकते हैं और पूरे देश में विशेष रूप से लद्दाख में पर्यटन के पुनर्निर्माण में मदद कर सकते हैं। यह क्षेत्र घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण आकर्षण है, और ये साझेदारी न केवल पर्यटन के अनुभवों को समृद्ध करती है, बल्कि एयरबीएनबी जैसे प्लेटफार्मों की मदद से समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है।

भारती एयरटेल राइट्स इश्यू के जरिए 21,000 करोड़ रुपये जुटाएगी

नई दिल्ली। प्रमुख दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के निदेशक मंडल ने राइट्स इश्यू के जरिए 21,000 करोड़ रुपये तक जुटाने को मंजूरी दे दी है। निर्गम मूल्य 535 रुपये प्रति पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर पर तय किया गया है, जिसमें 530 रुपये प्रति शेयर का प्रीमियम भी शामिल है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा, बोर्ड ने 21,000 रुपये करोड़ तक के इश्यू आकार के रिकॉर्ड तिथि (बाद में अधिसूचित) के अनुसार कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों को अधिकार के आधार पर कंपनी के प्रत्येक 5 रुपये के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी। यह नोट किया गया कि रविवार को हुई बैठक में, बोर्ड ने उद्योग परिदृश्य, कारोबारी माहौल और कंपनी की वित्तीय और व्यावसायिक रणनीति की व्यापक समीक्षा की और कंपनी की और पूंजी जुटाने की योजना को मंजूरी दी। निर्गम मूल्य के भुगतान की शर्तें यह होंगी कि आवेदन पर 25 प्रतिशत और दो अतिरिक्त कॉलों में शेष राशि, जैसा कि बोर्ड या बोर्ड की समिति द्वारा समय-समय पर कंपनी की आवश्यकताओं के आधार पर 36 महीने के समग्र समय-क्षितिज के भीतर तय किया जा सकता है। रिकॉर्ड तिथि के अनुसार, पात्र शेयरधारकों द्वारा धारित प्रत्येक 14 इक्विटी शेयरों के लिए अधिकार पात्रता अनुपात 1 इक्विटी शेयर होगा। इसके अलावा बोर्ड ने जारी करने की अवधि और रिकॉर्ड की तारीख सहित मुद्दे के अन्य नियमों और शर्तों को तय करने के लिए निदेशकों की विशेष समिति का भी गठन किया है।

नकदी संकट से जूझ रही सैंगयोंग नए खरीदार के लिए बोली करेगी शुरू

सियोल।

नकदी की तंगी से जूझ रही कार निर्माता कंपनी सैंगयोंग मोटर कंपनी की योजना सितंबर के मध्य तक अधिग्रहण प्रस्ताव प्राप्त करने की है, क्योंकि दो स्थानीय निवेशकों के बीच दोतरफा प्रतिस्पर्धा की उम्मीद है। फर्म 15 सितंबर तक संभावित खरीदारों से बोलियां प्राप्त करने की योजना बना रही है। अब तक, देश और विदेश के कुल 11 निवेशकों ने सैंगयोंग को लेने के लिए आशय पत्र प्रस्तुत किए हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख उम्मीदवारों में एसएम ग्रुप हैं,जिनके व्यवसाय निर्माण से लेकर ऑटो पार्ट्स निर्माण तक हैं, और एडिसन मोटर्स कंपनी, जिसने होमग्रोन इक्विटी फंड, कोरिया कॉरपोरेट गवर्नेंस इम्प्रूवमेंट (केसीजीआई) के साथ मिलकर काम किया है। अप्रैल में,सैंगयोंग को एक दशक पहले इसी प्रक्रिया से गुजरने के बाद दूसरी बार कोर्ट रिसीवरशिप के तहत रखा गया था। यह कदम तब आया जब भारतीय मूल की महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड लंबे समय तक कोविड-19 महामारी और इसकी बिगड़ती वित्तीय स्थिति के कारण एक निवेशक को आकर्षित करने में विफल रही। जनवरी से जुलाई तक, इसकी बिक्री पिछले साल की समान अवधि के दौरान 56,846 से 15 प्रतिशत गिरकर 48,229 ऑटो रही। इसके लाइनअप में टिवोली, कोरंडो, रेक्सटन और रेक्सटन स्पोर्ट्स एसयूवी शामिल हैं। चीन स्थित एसएआईसी मोटर कारपोरेशन ने 2004 में सैंगयोंग में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया, लेकिन वैश्विक वित्तीय संकट के मद्देनजर 2009 में कार निर्माता का अपना नियंत्रण छोड़ दिया। 2011 में, महिंद्रा ने 523 बिलियन वोन के लिए सैंगयोंग में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया और अब एसयूवी-केंद्रित कार निर्माता में 74.65 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते है। सैंगयोंग अगले चार वर्षों में अपने व्यापार पोर्टफोलियो में सुधार करने और कम से कम पांच इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल विकसित करने की योजना बना रहा है। कंपनी वर्तमान में अक्टूबर में यूरोपीय बाजार में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन,कोरंडो इमोशन लॉन्च करने का लक्ष्य रखती है। पिछले महीने, कंपनी ने सियोल से 70 किलोमीटर दक्षिण में प्योंगटेक में अपनी उत्पादन लाइन बेचने का फैसला किया, और ईवीएस के लिए एक नई असेंबली लाइन बनाने के लिए एक नई साइट की तलाश की है।

हिमाचल में अडानी ग्रुप ने कम किए सेब के दाम, किसान परेशान

शिमला:

सेब खरीद करने हिमाचल आई अडानी एग्री फ्रेश कंपनी ने बागवानों को झटका दिया है। कंपनी ने जो रेट तय किए हैं, उन्हें सुनकर बागवान नाराज हैं। बीते साल के मुकाबले इस बार प्रतिकिलो के हिसाब से 16 रुपए कम रेट तय किए हैं। कंपनी ने मंगलवार को सेब खरीद मूल्य सार्वजनिक कर दिए। कंपनी अस्सी से 100 फीसदी रंग वाला एक्स्ट्रा लार्ज सेब 52 रुपए प्रति किलो जबकि लार्ज, मीडियम और स्मॉल सेब 72 रुपए प्रति किलो की दर पर खरीदेगी। बीते साल एक्स्ट्रा लार्ज सेब 68 जबकि लार्ज, मीडियम और स्मॉल सेब 88 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया था। मंडियों के बाद अडानी के रेट भी कम होने से बागवान नाराज हैं। इस सीजन में 60 से 80 फीसदी रंग वाला एक्स्ट्रा लार्ज सेब 37 रुपए किलो जबकि की लार्ज, मीडियम और स्मॉल आकार का सेब 57 रुपए प्रति किलो की कीमत पर खरीदा जाएगा। 60 फीसदी से कम रंग वाले सेब की खरीद 15 रुपए प्रति किलो की कीमत पर होगी। पिछले साल ऐसा सेब 20 रुपए किलो खरीदा गया था। अडानी कंपनी के लिए बागवानों को अपना सेब क्रेटों में अडानी के कलेक्शन सेंटर तक लाना होगा।

कंपनी ने 26 से 29 अगस्त तक के लिए यह रेट जारी किए हैं। 29 अगस्त के बाद रेट में बदलाव किया जाएगा। अडानी के ठियोग के सैंज, रोहड़ू के मेहंदली और रामपुर के बिथल में कलेक्शन सेंटर हैं। अडानी एग्री फ्रेश के टर्मिनल मैनेजर पंकज मिश्रा ने बताया कि मंडियों के मुकाबले अडानी ने अच्छे रेट खोले हैं। मार्केट का फीडबैक लेने के बाद ही रेट तय किए गए हैं। 29 अगस्त के बाद मार्केट की स्थिति के अनुसार भी रेट में बदलाव किया जाएगा।

सैमसंग ने दूसरी तिमाही में भारतीय ईयरवियर बाजार में शीर्ष स्थान खोया

सियोल।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने साल की दूसरी तिमाही में भारत के कान में लगाए जाने वाले डिवाइस बाजार में अपना शीर्ष स्थान खो दिया है। उद्योग शोधकर्ता इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) के अनुसार, दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज ने अप्रैल-जून की अवधि में 7.9 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी दर्ज की, जो एक साल पहले के उनके 30.4 प्रतिशत हिस्से से तेजी से नीचे, भारतीय ईयरवियर बाजार में तीसरे स्थान पर आ गई है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के वायरलेस ईयरबड्स, नेकबैंड और हेडफोन सहित स्मार्ट ईयरवियर उत्पादों की शिपमेंट में साल-दर-साल 44.6 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि भारतीय उपभोक्ताओं ने घरेलू कंपनियों से डिवाइस खरीदने का विकल्प चुना है। आईडीसी ने कहा, घरेलू ब्रांडों का मजबूत दबदबा है क्योंकि उनकी हिस्सेदारी दूसरी तिमाही 21 में 71.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2020 में सिर्फ 31.2 प्रतिशत थी। भारत स्थित इमेजिन मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड का एक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड बोट, दूसरी तिमाही में अपनी बाजार हिस्सेदारी दोगुने से अधिक 45.5 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद प्रमुख खिलाड़ी बन गया, जिसमें ईयर-वॉर्न डिवाइसेस की शिपमेंट में साल-दर-साल 424 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। चीन के बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स कापोरेंशन के एक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड वनप्लस ने 8.5 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ उपविजेता स्थान हासिल किया, जो एक साल पहले 5 प्रतिशत था, इसके शिपमेंट में सालाना 264.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसका हमवतन रियलमी एक साल पहले के 14.3 प्रतिशत की तुलना में 5.5 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया।

भारत में ईयरवियर बाजार दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 113.1 प्रतिशत बढ़कर 9.2 मिलियन यूनिट हो गया और पहनने योग्य उत्पादों में सबसे बड़ी श्रेणी के रूप में बना रहा, जैसा कि आईडीसी के आंकड़ों से पता चलता है।

गूगल ने कथित तौर पर प्ले स्टोर शुल्क पर नेटफ्लिक्स की अनुकूल शर्तों की पेशकश की : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज एप्पल नेटफ्लिक्स की पेशकश करने वाला एकमात्र डिजिटल स्टोरफ्रंट नहीं है। इसने ऐप स्टोर भुगतान प्रणाली का उपयोग करके स्ट्रीमिंग सेवा को बनाए रखने का सौदा किया है,क्योंकि गूगल ने स्पष्ट रूप से एंड्रॉइड-आधारित सदस्यता से कम कटौती की पेशकश की है। एप्पल इनसाइडर की रिपोर्ट,एप्पल के एपिक के साथ परीक्षण के दौरान, यह पता चला था कि एप्पल ने बेहतर शर्तों की पेशकश करके नेटफ्लिक्स को आईओएस ऐप से अपने सब्सक्रिप्शन विकल्प को हटाने से रोकने का प्रयास किया।संभावित क्लास-एक्शन मुकदमे के एक दस्तावेज में दावा किया गया है कि नेटफ्लिक्स, स्पॉटिफ और टिंडर सहित प्रमुख सेवाएं गूगल प्ले बिलिंग के आसपास जाना चाहती हैं, नेटफ्लिक्स के साथ द वर्ज के अनुसार वैकल्पिक भुगतान प्रणाली का उपयोग करना चाहता है। शिकायत में दावा किया गया है कि वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा को खुश करने के प्रयास में गूगल ने नेटफ्लिक्स को काफी कम राजस्व हिस्सेदारी प्रतिशत लेने की पेशकश की। ऐप्पल के मामले में, एपिक मुकदमे में दस्तावेजों से पता चला कि ऐप्पल ने नेटफ्लिक्स के साथ बातचीत करने का प्रयास किया, जिसमें ऐप्पल टीवी बंडल, गहन प्रदर्शन डेटा, नेटफ्लिक्स को वीडियो पार्टनर प्रोग्राम में शामिल होने के लिए, ऐप्पल द्वारा ईमेल प्रचार और ऐप्पल स्टोर्स के भीतर प्रचार शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा लगता है कि नेटफ्लिक्स द्वारा गूगल की भुगतान प्रणाली का उपयोग करने के बजाय सीधे एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं से क्रेडिट कार्ड विवरण एकत्र करने के प्रयासों से डेवलपर्स को स्पष्टीकरणकी आवश्यकता होती है, जिन्हें गूगल की लेनदेन सेवा का उपयोग करने के लिए प्ले स्टोर ऐप्स की आवश्यकता होती है। आंतरिक गूगल संचार का हवाला देते हुए, दस्तावेज में कहा गया है कि प्लाई स्टोर 6 प्रतिशत के शुल्क के साथ भी टूट सकता है, और 30 प्रतिशत चार्ज करने के उसके निर्णय का गूगल की नकल करने के अलावा कोई औचित्य नहीं है।

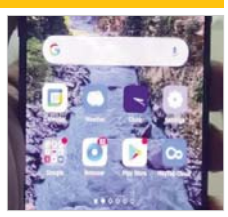

Sports

पैरालम्पिक (तीरंदाजी) : हार के साथ ज्योति का अभियान समाप्त

टोक्यो। भारत की ज्योति बालियान का यहां चल रहे टोक्यो पैरालम्पिक के महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी इवेंट में अभियान हार के साथ समाप्त हो गया। ज्योति को 1/16 एलिमिनेशन राउंड में आयरलैंड की केरिए लोउसी लिओनार्ड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। ज्योति जो रैंकिंग राउंड में 671 स्कोर के साथ 15वें स्थान पर रहीं थी उन्हें लोउसी के हाथों एलिमिनेशन राउंड में 137-141 से हार का सामना करना पड़ा। ज्योति ने पहले राउंड में आठ, 10 और नौ के साथ 27 अंक लिए लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने 26 अंक लिए। दूसरे राउंड में ज्योति ने जहां 25 अंक लिए वहीं लोउसी ने 29 अंक बटोरे। ज्योति ने फिर तीसरे राउंड में 30 का परफेक्ट शॉट लिया और तीनों प्रयास में 10-10 शॉट का स्कोर किया। लेकिन लोउसी ने 29 अंक लिए। ज्योति हालांकि, पेनुलटिमेट राउंड में 29 का स्कोर कर सकीं जबकि लोउसी ने 30 का स्कोर किया। ज्योति अब आज शाम राकेश कुमार के साथ मिक्सड टीम कंपाउंड इवेंट में नजर आएंगी।

भारतीय महिला टीम को ऑस्ट्रेलिया में नहीं मिलेगी अभ्यास की अनुमति

बेंगलुरू। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पूर्णकालिक दौरे के लिए रविवार को आस्ट्रेलिया रवाना हो गई लेकिन वहां कोविड-19 से जुड़े नए दिशानिर्देशों के कारण खिलाड़ियों को ब्रिसबेन पहुंचने पर 14 दिन तक पृथकवास पर रहना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को पहले उम्मीद थी कि खिलाड़ियों को एक सप्ताह के कड़े पृथकवास के बाद अभ्यास का मौका मिलेगा लेकिन अब खिलाड़ियों को 14 दिन होटल के कमरों में रहना पड़ सकता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में पहले सप्ताह के बाद अभ्यास की अनुमति मिलने की संभावना न के बराबर है। कार्यक्रम में आगे बदलाव हो सकता है। खिलाड़ियों के लिये कड़ा पृथकवास मुश्किल होगा लेकिन अभी यही स्थिति है। एक खिलाड़ी ने इसके सकारात्मक पहलू पर गौर किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद मुश्किल होगा लेकिन कम से कम उसके बाद तो हमें खेलने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम पिछले एक सप्ताह से यहां अभ्यास कर रही थी। उन्हें सिडनी जाना था। इसके अलावा दो अन्य स्थल पर्थ और मेलबर्न थे लेकिन बढ़ते मामलों के कारण मैच स्थलों को भी बदल दिया गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया जल्द ही बदले कार्यक्रम की घोषणा करेगा। इसे हालांकि क्वीन्सलैंड सरकार की मंजूरी मिलनी जरूरी है क्योंकि सभी मैच अब इसी प्रांत में खेले जाएंगे। भारतीय टीम इस दौरे में तीन वनडे, एक दिन रात्रि टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलेगी। श्रृंखला की शुरुआत 19 सितंबर के बजाय दो दिन बाद हो सकती है। नए मैच स्थल मैकाय और करारा हैं। भारत की 22 सदस्यीय टीम दुबई के रास्ते सोमवार को ब्रिसबेन पहुंचेगी।

पैरालंपिक (ऊंची कूद)

निषाद ने जीता रजत पदक

टोक्यो।

भारत के पैरा ऊंची कूद एथलीट निषाद कुमार ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी 47 इवेंट में रजत पदक हासिल किया। निषाद ने 2.6 मीटर जम्प के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। निषाद के रजत जीतने के साथ ही भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अपना दूसरा पदक जीता। उनसे पहले आज ही पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने महिला एकल क्लास 4 वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया था। हिमाचल प्रदेश के ऊना से आने वाले 21 वर्षीय निषाद ने 1.89 मीटर के साथ शुरुआत की थी। उन्होंने दूसरे प्रयास में 1.94 मीटर और तीसरे प्रयास में 1.98 मीटर का जम्प किया। निषाद का सर्वश्रेष्ठ 2.06 मीटर रहा जो उन्होंने पांचवें प्रयास में किया। निषाद ने बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में ट्रेनिंग की थी और वह अपने पहले पैरालम्पिक खेलों में भाग ले रहे हैं। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में फिजिकल एजुकेशन के छात्र निषाद ने 2009 से पैरा एथलेटिक्स में भाग लेना शुरू किया और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते। निषाद के अलावा इस इवेंट के टी 46 वर्ग का स्वर्ण पदक अमेरिका के टाउनसेंड रोडेरिक ने जीता जिन्होंने 2.15 मीटर के जम्प के साथ पहला स्थान हासिल किया। भारत के एक अन्य एथलीट राम पाल इस इवेंट में 1.94 मीटर के जम्प के साथ पांचवें स्थान पर रहे। निषाद ने इससे पहले इस साल दुबई में हुए फाजा विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में ऊंची कूद टी 47 वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

पैरालम्पिक (डिस्कस थ्रो) : विनोद कुमार ने जीता कांस्य

टोक्यो। भारत के पैरा एथलीट विनोद कुमार ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालम्पिक के पुरुष डिस्कस थ्रो एफ52 इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। इसके साथ ही भारत ने अबतक तीन पदक अपने नाम नाम कर लिए हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पूर्व जवान विनोद ने एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए 19.91 मीटर का थ्रो कर तीसरा स्थान हासिल किया और देश के लिए कांस्य पदक जीता। विनोद ने अपने पांचवें प्रयास में 19.91 मीटर का थ्रो किया। विनोद से पहले आज ही पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने महिला एकल क्लास 4 इवेंट में रजत और निषाद कुमार ने पुरुष ऊंची कूद टी47 इवेंट में रजत पदक जीता है। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर इन पैरा एथलीटों ने देश को पैरालम्पिक में तीन पदक दिलाए हैं।

पैरालम्पिक (टेटे) : भाविना ने जीता रजत, भारत को दिलाया पहला पदक

टोक्यो।

भारतीय महिला पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल को यहां चल रहे टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में महिला एकल वर्ग के क्लास 4 इवेंट के फाइनल में चीन की झोउ यिंग के हाथों 0-3 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके साथ ही भारत को टोक्यो में अपना पहला पदक मिला। यिंग ने शुरूआत से ही मुकाबले में अपनी पकड़ बनाई रखी। भाविना को पहले गेम में यिंग ने 11-7 से हराया जबकि दूसरे गेम में उन्हें विश्व की नंबर-1 खिलाड़ी के हाथों 11-5 से हार का सामना करना पड़ा। यिंग ने तीसरे गेम को भी आसानी से 11-6 से अपने नाम कर स्वर्ण पदक हासिल किया। विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी भाविना का टोक्यो पैरालम्पिक में सफर शानदार रहा और उन्होंने फाइनल तक का सफर तय करने के लिए 2016 रियो पैरालम्पिक की स्वर्ण और रजत पदक विजेता को मात दी। पहली बार पैरालम्पिक में शामिल हुई भाविना के रजत पदक जीतने से भारत ने टोक्यो पैरालम्पिक में अपना पहला पदक हासिल किया। भाविना ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही देश के लिए पदक पक्का कर लिया था। उनकी कोशिश स्वर्ण जीतने की थी, हालांकि ऐसा हो नहीं सका। लेकिन भाविना ने रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। वह पहली भारतीय महिला पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने पैरालम्पिक में इस इवेंट में कोई पदक जीता है। इसके साथ ही भाविना दीपा मलिक के बाद दूसरी महिला एथलीट हैं जिन्होंने पैरालम्पिक में पदक जीता है। भारत ने अबतक पैरालम्पिक में तीन स्पोटर्स में 12 पदक जीते हैं जिनमें एथलेटिक्स (तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य), पावरलिफ्टिंग (एक कांस्य) और तैराकी (एक स्वर्ण) शामिल है। लेकिन टोक्यो पैरालम्पिक में यह भारत का पहल पदक है। भाविना ने 2017 में बीजिंग में हुए अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ एशियाई पैरा टेटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय एथलीट्स पैरालम्पिक में और पदक जीतेंगे : अनुराग

नई दिल्ली। केंद्रिय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल के टोक्यो पैरालम्पिक में रजत पदक जीतने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारतीय एथलीट्स और भी पदक जीतेंगे। अनुराग ने पत्रकारों से कहा, इससे अच्छा क्या हो सकता है कि राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर भाविना ने पैरालम्पिक में रजत पदक जीता। मुझे भरोसा है कि भारतीय एथलीट्स यहां और भी पदक जीतेंगे। इससे पहले उन्होंने ट्वीट कर कहा था, भारत आज राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर रजत पदक की खबर के साथ उठा है। भाविना ने टोक्यो 2020 पैरालम्पिक में भारत के लिए पहला पदक जीता। भाविना पैरा टेटे में रजत जीत पहली भारतीय महिला बनीं एथलीट हैं।

आईपीएल 2021 : क्वारंटीन पूरा करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने ट्रेनिंग शुरू की

दुबई। आईपीएल 2020 की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स ने दुबई में छह दिनों का निर्धारित क्वारंटीन पीरियड पूरा करने के बाद ट्रेनिंग शुरू कर दी है। टीम के भारतीय खिलाड़ी, सहायक स्टाफ और मैनजमेंट 21 अगस्त को यहां पहुंचे थे। फेंचाइजी ने सोशल मीडिया के जरिए खिलाड़ियों की दुबई में स्थित आईसीसी अकादमी में ट्रेनिंग करते हुए फोटो पोस्ट की। उन्होंने श्रेयस अय्यर के पिच पर आकर छक्का जड़ने का वीडियो पोस्ट किया। टीम के अन्य खिलाड़ी जैसे अमित मिश्रा, ललित यादव, लुकमान मेरिवाला, रिपल पटेल, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे और सिद्धार्थ मनिमारन भी अभ्यास करते नजर आए। अय्यर कंधे में चोट की वजह से आईपीएल 2021 के पहले चरण में नहीं खेले थे। वह टीम के आने से पहले दो सप्ताह तक सहायक कोच प्रवीण आमरे के साथ अभ्यास कर रहे हैं। दिल्ली की टीम आठ मैचों में छह जीत और दो हार के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर मौजूद है। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण 19 सितंबर से शुरू होगा और दिल्ली अपने अभियान की शुरूआत 22 सितंबर से सनराइजर्स हैदराबाद के साथ मुकाबले से शुरू करेगा।

पैरालंपिक : भारतीय टीम को तुर्की से मिली हार, मिक्सड टीम कंपाउंड तीरंदाजी से बाहर

टोक्यो।

भारत की ज्योति बालियान और राकेश कुमार की जोड़ी को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के मिक्सड टीम कंपाउंड ओपन तीरंदाजी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तुर्की के कुरे ओजनुप और बुलेंट कोर्कमाज की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। ज्योति और राकेश की जोड़ी को यूमेनोशिमा फाइनल फिल्ड में तुर्की की जोड़ी से 151-153 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी पहले राउंड में 34-37 से पीछे चल रही थी। हालांकि, उन्होंने दूसरा राउंड 39-38 से जीता। दोनों टीमों ने तीसरे राउंड में 39 का स्कोर किया। फाइनल राउंड में जहां भारतीय जोड़ी ने फिर 39 का स्कोर किया तो वहीं तुर्की की जोड़ी ने भी 39 अंक लिए। हालांकि, भारतीय जोड़ी दो अंक पीछे रह गई और उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, ज्योति और राकेश की जोड़ी ने थाईलैंड के प्राफापोर्न होमजांथुएक और एनोन एउंगाफिनान की जोड़ी को 147-141 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। ज्योति और राकेश ने पहले राउंड में थाई जोड़ी के समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद अगले दौर में भारतीय जोड़ी ने 36 अंक लिए लेकिन थाईलैंड की जोड़ी ने 37 अंक लेकर स्कोर 72-71 किया और बढ़त हासिल की। ज्योति और राकेश ने फिर अगले चार एरोव्स से 38 अंक लिए, लेकिन थाईलैंड की जोड़ी 36 अंक ही हासिल कर सकी और भारत ने 109-108 की बढ़त ली। थाईलैंड के प्राफापोर्न और एनोन की जोड़ी ने अंतिम चार एरोव्स से 33 अंक लिए जबकि राकेश और ज्योति की भारतीय जोड़ी ने 38 का शॉट खेल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस बीच, ज्योति का महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी इवेंट में सफर अयारलैंड की केरिए लोउसी लिओनार्ड के हाथों 1/16 एलिमिनेशन राउंड में हारकर खत्म हो गया।

कोहली का विकेट लेना सुखद एहसास : रॉबिंसन

लीड्स। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन जिन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में सात विकेट लिए थे, उन्होंने कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली का विकेट लेना उनके लिए सुखद एहसास रहा। इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पारी और 76 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर की थी। रॉबिंसन ने कहा, यह सुखद एहसास रहा और यहां के दर्शक अविश्वनीय है। जब मैंने कोहली का विकेट लिया उस वक्त दर्शकों की तरफ से जो आवाजें आई, वो अभूतपूर्व अनुभव था।उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्ष काफी कठिन रहे और मैंने यहां आने के लिए काफी मेहनत की। अतीत में किए गए नस्लीय ट्वीट के कारण रॉबिंसन को डेब्यू टेस्ट के बाद कुछ समय के लिए क्रिकेट से दूर रखा गया था। रॉबिंसन ने कहा, जब आप प्रदर्शन कर रहे होते हैं, तो जांच आपसे थोड़ी दूर होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह मेरी यादाश्त में ताजा नहीं है। यह अभी भी कुछ ऐसा है जिस पर मैं काम करने और खुद को एक बेहतर इंसान बनाने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने कहा, जब से मैं इंग्लैंड की टीम में वापस अया हूं जेम्स एंडरसन मेरे करीबी दोस्त में से एक बन गए हैं। मैं उनसे रोज बात करता हूं और उनसे सीखना चाहता हूं।

ला लीगा : रियल मेड्रिड ने बेटिस को 1-0 से हराया

मेड्रिड। डानी कारवाजल के दूसरे हॉफ में किए गए एकमात्र गोल की मदद से रियल मेड्रिड ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में रियल बेटिस को 1-0 से हराया। रियल मेड्रिड के कोच कार्लो एंकेलोटी ने इस मैच के लिए एकादश में बदलाव किया और चोटिल नाचो फर्नांडेज के बजाए युवा खिलाड़ी मिगुएल को शामिल किया। पहले हॉफ में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकी और मुकाबला गोल रहित रहा। लेकिन दूसरे हॉफ में रियल मेड्रिड की ओर से डानी ने 61वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बेटिस ने बराबरी करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं होने के कारण रियल मेड्रिड ने यह मुकाबला जीता। इस बीच, बिलबाओ एथलेटिक क्लब ने भी केल्टा विगो को 1-0 से हराया। बिलबाओ की ओर से इनाकी विलियम्स ने 34वें मिनट में गोल किया। लेकिन केल्टा की टीम कोई गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मुकाबले में रियल सोसिएदाद ने भी लेवांटे को 1-0 की हराया। रियल सोसिएदाद के लिए आदेर बारेनएतक्सा ने मैच का एकमात्र गोल किया।

रोहित चमोली ने एशियाई जूनियर बॉक्सिंग

नई दिल्ली।

रोहित चमोली ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगोलिया के ओटगोनबयार तुवशिंजया को 3-2 से हराकर 2021 एएसबीसी एशियाई जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण दिलाया है। जूनियर लड़कों के 48 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में खेलते हुए चंडीगढ़ के इस मुक्केबाज ने इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय इवेंट में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा और अपनी प्रतिभा की झलक पेश की। सतर्क शुरूआत करने के बाद, समय पर और सटीक आक्रमण ने रोहित को एक करीबी मुकाबले में अपने मंगोलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बढ़त दिला दी और वह 3-2 से करीबी जीत के स्वर्ण पदक हासिल करने में सफल रहे। गौरव सैनी (70 किग्रा) और भारत जून (प्लस 81 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे। मुस्कान (46 किग्रा), विशु राठी (48 किग्रा), तनु (52 किग्रा), आंचल सैनी (57 किग्रा), निकिता (60 किग्रा), माही राघव (63 किग्रा), रुद्रिका (70 किग्रा), प्रांजल यादव (75 किग्रा), संजना (81 किग्रा) और कीर्ति (प्लस 81 किग्रा) देश की 10 मुक्केबाज हैं, जो लड़कियों के फाइनल में भाग लेंगी। भारत जूनियर स्पर्धा में पहले ही छह कांस्य पदक जीत चुका है, जिसमें देविका घोरपड़े (50 किग्रा), आरजू (54 किग्रा) और सुप्रिया रावत (66 किग्रा) लड़कियों के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जबकि आशीष (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और अंकुश (66 किग्रा) ने लड़कों के वर्ग में कांस्य पदक जीता है। यूएई के फुजैरा में 2019 में आयोजित पिछली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में, भारत 21 पदक (छह स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर रहा था। भारत ने लड़कियों की श्रेणी में 13 पदक (चार स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य) जबकि लड़कों के वर्ग (दो स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य) में आठ पदक जीते थे।

सूर्यकुमार और अश्विन को चौथे टेस्ट में खेलाना चाहिए : वेंगसरकर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में मिली हार के बाद पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर का कहना है कि बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को चौथे टेस्ट में खेलाना चाहिए। इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को पारी और 76 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर की। वेंगसरकर ने आईएएनएस से कहा, मेरा मानना है कि हमें सूर्यकुमार को शामिल कर अपनी बल्लेबाजी लाइनअप मजबूत करनी चाहिए। नंबर-6 पॉजिशन पर हमें मजबूत बल्लेबाज चाहिए। वह अच्छी फॉर्म में है और भारत की मदद कर सकते हैं। बहुत देर होने से पहले उन्हें एकादश में शामिल कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि अश्विन को टीम में लेना चाहिए। आप कैसे अश्विन को एकादश से बाहर रख सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में वह अभी हमारे सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। यह कुछ चीजें हैं जिस पर टीम को चौथे टेस्ट से पहले बैठकर चर्चा करनी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि किस खिलाड़ी को बाहर रखना चाहिए, इस पर पूर्व कप्तान ने कहा, यह टीम मैनजमेंट पर है कि उन्हें क्या लगता है किसे नहीं खेलना चाहिए। लेकिन मैं यही सलाह दूंगा कि सूर्यकुमार और अश्विन को एकादश में शामिल करना चाहिए। वेंगसरकर ने इंग्लिश गेंदबाजों की सराहना की जिन्होंने दोनों पारियों में भारतीय बल्लेबाजों को लड़खड़ा दिया। वेंगसरकर ने कहा, हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि इन्होंने शानदार गेंदबाजी की। पहले और दूसरी पारी दोनों में इन्होंने हमारे बल्लेबाजों को पछाड़ा।

कोवैक्सीन का उत्पादन शुरू, हर माह बनेंगी एक करोड़ डोज

इस संयंत्र से उत्पादित वैक्सीन का पहला बैच जारी किया, उन्हें इस उपलब्धि को कोरोना के खिलाफ भारत की लड़ाई में महत्वपूर्ण क्षण बताया

अंकलेश्वर।

गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर में भारत बायोटेक के नए संयंत्र से कोरोना रोधी वैक्सीन कोवैक्सीन का उत्पादन शुरू हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने इस संयंत्र से उत्पादित वैक्सीन का पहला बैच जारी किया। उन्हें इस उपलब्धि को कोरोना के खिलाफ भारत की लड़ाई में महत्वपूर्ण क्षण बताया।भारत बायोटेक के चिरोन बेहरिंग वैक्सीन संयंत्र से कोरोना रोधी वैक्सीन के पहले बैच को राष्ट्र को समर्पित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नई इकाई की उत्पादन क्षमता एक करोड़ डोज प्रतिमाह है। रविवार से इस इकाई में वैक्सीन का उत्पादन शुरू हुआ है। सितंबर से इस संयंत्र से वैक्सीन की सप्लाई शुरू हो जाएगी। बाद में मांडविया ने ट्वीट कर कहा, 'कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई को मजबूत बनाने में टीकाकरण सबसे अहम चीज है। गुजरात के अंकलेश्वर से आज कोवैक्सीन के पहले बैच को जारी किया। इससे देश में वैक्सीन की आपूर्ति बढ़ेगी और हर भारतीय तक वैक्सीन पहुंचाने में मदद मिलेगी।' भारत बायोटेक की तरफ से जारी बयान में मांडविया को उद्धृत करते हुए कहा गया है कि भारत का मुख्य ध्यान कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने पर है और इस लक्ष्य को हासिल करने का सबसे बेहतर तरीका तेज और कुशल टीकाकरण है। हम चाहते हैं कि हर भारतीय की वैक्सीन तक समान पहुंच हो और भारत बायोटेक के विस्तारित कोवैक्सीन उत्पादन क्षमता से इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक द्वारा विकसित और उत्पादित कोवैक्सीन का टीकाकरण में व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। कंपनी ने इसका उत्पादन बढ़ाने के लिए हैदराबाद स्थित संयंत्र के साथ ही मलुर, बेंगलुरु और पुणे परिसर में भी उत्पादन सुविधाओं का विस्तार किया है।

अब अंकलेश्वर संयंत्र के चालू होने से कोवैक्सीन के उत्पादन में और तेजी आएगी। इस मौके पर मौजूद भारत बायोटेक के चेयरमैन एवं प्रबंधन निदेशक डा. कृष्णा इल्ला ने कहा कि कंपनी हर साल एक अरब डोज उत्पादन करने के लक्ष्य को हासिल करने की तरफ बढ़ रही है। कंपनी की संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा इल्ला ने कहा कि देश के हर कोने के साथ ही विदेश में भी कोवैक्सीन पहुंचाने के लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच गई है। कंपनी दूसरे देशों में भी अपने सहयोगियों के साथ कोवैक्सीन का उत्पादन करने की संभावनाएं तलाश रही है। नवसारी के सांसद सीआर पाटिल और विधायक ईश्वर सिंह पटेल और दुष्यंत पटेल भी इस मौके पर मौजूद थे।

पैरालंपिक रजत पदक विजेता भाविना पटेल को तीन करोड़ रुपये देगी

अहमदाबाद।

गुजरात सरकार ने रविवार को टोक्यो पैरालंपिक खेलों में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने वाली पैडलर भाविना पटेल को तीन करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की। गुजरात के मेहसाणा जिले के सुंधिया गांव की रहने वाली पटेल रविवार को अपने पहले पैरालंपिक खेलों में विश्व की नंबर एक चीनी पैडलर यिंग झोउ से ०-३ से हारकर रजत पदक जीत गईं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक नोट में कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात के मेहसाणा जिले की बेटी पटेल को पैरालंपिक खेलों में टेबल टेनिस में उत्कृष्ट उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित करने के लिए बधाई दी है। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की 'दिव्यांग खेल प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार योजना' के तहत पटेल को उनके खेल कौशल से वैश्विक स्तर पर गुजरात और भारत को गौरवान्वित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में तीन करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की है। पटेल, जिन्हें १२ महीने की उम्र में पोलियो हो गया था, ने शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में चीन की दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी मियाओ झांग को ७-११ ११-७ ११-४ ९-११ ११-८ से हराया था। इस बीच. टोक्यो पैरालंपिक में टेबल टेनिस में रजत पदक जीतने पर भाविना पटेल को प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाविना पटेल ने इतिहास रचा। वे रजत पदक लेकर आईं हैं। उसके लिए बधाई। उनका जीवन प्रेरित करने वाला है और अधिक युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करेगा। टोक्यो पैरालंपिक में टेबल टेनिस में रजत पदक जीतने वाली खिलाड़ी भाविना पटेल के घर मेहसाणा में उनके परिवारजनों ने गरबा किया। वहीं, भाविना पटेल के घर मेहसाणा में उनके परिवारजनों और रिश्तेदारों ने जश्न मनाया। टोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीतने के बाद भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने कहा कि मेरे जितने भी चाहने वाले है उन्हें और सभी देशवासियों को यह मेडल समर्पित करना चाहती हूं। उनके सहयोग से मैं यहां नहीं पहुंच सकती थी। बहुत खुश हूं कि पैरालंपिक में पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पहली बार भारतीय महिला ने पदक जीतकर इतिहास रचा। मैं कोच को धन्यवाद देती हूं। मेरे रिश्तेदारों ने बहुत प्रेरित किया।

युवक खाने गया पत्नी के पर्स से ३० हजार की चोरी

अहमदाबाद।

जिस थाली में खाया उसी में छेद यह कहावत को सार्थक करता एक मामला अहमदाबाद से आया है। फैक्ट्री में काम करते युवक को इसके ही भतीजे ने और इसके गांव के तीन लोग अहमदाबाद नौकरी पर आने पर घर पर सहारा देना भारी पड़ गया। यह युवक ने चारों को नौकरी दिलाई और अपने घर में रहने की जगह देकर किराया वसूला था। लेकिन एक दिन चारों लोगों पर विश्वास रखकर ताला लगाये बिना यह युवक बाहर खाने गया इसकी पत्नी के पर्स से ३० हजार की चोरी हुई थी। यह मामले में अर्जी देने पर रामोल पुलिस ने यह चारों लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मूल मध्यप्रदेश के और हाल रामोल गांव में रहते तिलकसिंग झाटक वटवा जीआईडीसी में स्थित फेज ४ की एक कंपनी में नौकरी करते है। उनके वतन में रहता भतीजा रोहित झाटक पहले अहमदाबाद नौकरी करता था। फिर इसका फोन आया और यह अहमदाबाद नौकरी करने के लिए आने होने की जानकारी दी थी। जिसकी वजह से तिलकसिंग ने रोहित को घर पर आने के लिए कहा। बाद में रोहित और इसके गांव में तीन दोस्त शेरू, विकास और संजय यह तिलकसिंग के घर पर आये थे। यह तिलकसिंग ने एक कंपनी में उनको काम दिलाया था। यह चारों लोग वहां नौकरी करते और तिलकसिंग के घर पर रहते थे जिसके बदले में १५ हजार चुकाते थे। जब वेतन आये तब तिलकसिंग को वह देते और तिलकसिंग १५ हजार काटकर बाकी के यह चारों लोगों को वापस देते थे। गत जुलाई महीने में यह चारों लोगों के ४८ हजार वेतन आया था। जिसमें से रहने खाने और इलेक्ट्रिसिटी बिल के रुपया काटकर तिलकसिंग ने बाकी के रुपये वापस यह चारों को दे दिया था। बाद में यह तिलकसिंग अपने परिवार के साथ बाहर खाने गया था। यह चारों एक ही गांव के होने से विश्वास करके ताला नहीं लगाकर वह बाहर गये थे। दूसरे दिन खबर मिली कि तिलकसिंग की पत्नी के पर्स से ३० हजार रुपया गायब है। यह मामले में यह चारों से पूछने पर बवाल हुई थी। यह मामला पुलिस स्टेशन पहुंचा वह बाद में समाधान हुआ था। बाद में तिलकसिंग ने अपने वकील को यह मामले पर चर्चा करने पर उन्होंने रामोल पुलिस स्टेशन में इस मामले में अर्जी दी थी। इस अर्जी के आधार पर रामोल पुलिस ने चारों लोगों के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

२० सितंबर तक पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य पूरा करने के दिए निर्देश

अहमदाबाद।

केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को प्रशासन व महानगर पालिका को अहमदाबाद शहर व जिले का २० सितंबर तक पूर्ण टीकाकरण करने का लक्ष्य दिया। साथ ही, ३० सितंबर तक पहली डोज के लक्ष्य को भी पूरा करने के निर्देश दिए। शाह ने किसानों को बागायती व ऑर्गेनिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने का भी लक्ष्य रखा। अहमदाबाद कलक्टर कार्यालय पर शनिवार को अहमदाबाद जिला विकास संयोजन व निगरानी समिति की बैठक में शाह ने जिले के आला अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से केंद्र व गुजरात सरकार की योजनाओं के अमल की जानकारी ली। साथ ही, राज्य में चल रहे कोरोना टीकाकरण को लेकर अहमदाबाद महानगर पालिका व जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शाह ने अहमदाबाद शहर व जिले में २० सितंबर तक पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुजरात में कोरोना टीके की पहली डोज के लक्ष्य को भी ३० सितंबर तक पूरा करने को कहा है। शाह ने अधिकारियों से कहा कि वे किसानों को बागायती व आर्गेनिक खेती के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए तहसीलों में माडल फार्म विकसित कर किसानों को वहां लाकर दिखाएं। शाह ने कहा कि संपत्ति धारकों को प्रापर्टी कार्ड देने के उद्देश्य से शुरू की गई स्वामित्व योजना में अहमदाबाद देश के माडल जिले के रूप में विकसित होना चाहिए। जिला व तहसील स्तर पर समन्वय व संकलन करते हुए जनसमस्याओं के

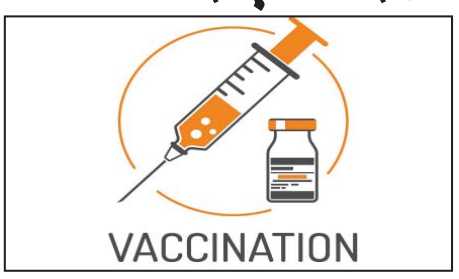

त्वरित निवारण पर भी उन्होंने बल दिया। शाह ने अहमदाबाद में धीमे टीकाकरण वाले इलाकों में विशेष टीकाकरण शिविर लगाने की बात कही। साथ ही, केंद्र सरकार की उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए), ब्रह्मवस्था पेंशन, विधवा सहायता आदि की सुविधाएं जन जन तक पहुंचाने के लिए खास प्रयास करने के निर्देश दिए। शाह ने कहा कि जिले के किसानों के क्राप पैटर्न को बदलकर उनकी आय में बढ़ोतरी के प्रयास किए जाएं। राज्यसभा सदस्य नरहरी अमीन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनऔषधि केंद्रों को अधिक सक्रिय किए जाएं तथा केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ नागरिकों को मिले इसके प्रयास किए जाने चाहिए।

पूरे भारत में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए वक्रांगी ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ भागीदारी की

सूरत। बीएसई: 511431 और एनएसई लिस्टेड, [VAKRANGEE]वाकरंगी लिमिटेड (वीएल) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने नेक्स्टजेन वक्रांगी सेंटर आउटलेट्स पर च्यैन इंडियाज के लिए बीसी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए एक साझेदारी की है। एक समावेशी खिलाड़ी के रूप में उभरा है और है 5,400+ से अधिक एटीएम के साथ ग्रामीण भारत में चौथा सबसे बड़ा एटीएम ऑपरेटर। देश भर के सभी नेक्स्टजेन केंद्रों पर स्केलेबिलिटी, फास्ट ऑन-बोर्डिंग और बैंकिंगबीसी प्वाइंट सेवाओं की सक्रियता सुनिश्चित करना। वक्रांगी लिमिटेड अब अपनी सभी फ्रेंचाइजी को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगी। भारत, देश में वित्तीय समावेशन को और मजबूत कर रहा है। वक्रांगी ये बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगा जैसे: - डिजिटल इकेवाईसी समाधान के माध्यम से ग्राहक पंजीकरण (खाता खोलना) सभी बचत खाते खोलने के लिए विशेष रूप से बीएसबीडी खाते और अन्य जमा खाते, जमा / निकासी (इंटरऑपेरबल) बैंकिंग, बैलेंसइन्सी, रुपया कार्ड सक्रियण, सामाजिक सुरक्षा योजना यानी पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई और एपीवाई आदि।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, वाकरंगी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और ग्रुप सीईओ, श्री दिनेश नंदवाना ने कहा, "हम पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ इस साझेदारी की घोषणा करते हुए प्रसन्न और सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो हमें अपने नेक्स्टजेन में बैंकिंगबीसी प्वाइंट सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाता है।. पैन इंडिया आधार पर वक्रांगी केंद्र हम मार्च 2022 तक अपने परिचालन नेक्स्टजेन केंद्रों को 25,000 और मार्च 2026 तक 75,000 तक बढ़ाने के लिए अपनी विकास रणनीति के मामले में अच्छी तरह से ट्रैक पर हैं। वक्रांगी में वर्तमान में 27 राज्यों और 5,020 क्षेत्रों में फैले 11,900 नेक्स्टजेन, वक्रांगी केंद्र हैं। इनमें से 70% से अधिक आउटलेट टीयर 5 और 6 शहरों में हैं।

हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी गुजरात सरकार

प्रदेश में लालच, भय, जबरदस्ती या बहला-फुसलाकर अवैध तरीके से हिंदू लड़कियों के साथ गैरकानूनी तरीके से विवाह को विवाह नहीं माना जा सकता

अहमदाबाद।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि राज्य सरकार विवाह के जरिए जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने को रोकने के प्रति संकल्पबद्ध है। उच्च न्यायालय ने गुजरात सरकार के धर्म स्वतंत्रता संशोधन कानून की कुछ धाराओं के अमल पर रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री रूपाणी ने बताया कि प्रदेश में लालच, भय, जबरदस्ती या बहला-फुसलाकर अवैध तरीके से हिंदू लड़कियों के साथ गैरकानूनी तरीके से विवाह को विवाह नहीं माना जा सकता है। राज्य सरकार इस तरह के विवाह के बाद कराए जाने वाले धर्म परिवर्तन रोकने को प्रतिबद्ध है। उच्च न्यायालय की ओर से गुजरात धर्म स्वतंत्रता संशोधन कानून २०२१ की कुछ धाराओं के अमल पर रोक के खिलाफ राज्य सरकार निश्चित तौर पर उच्चतम न्यायालय में अपील करेगी। गांधीनगर में रूपाणी गुजरात के शायर झवेरचंद मेघाणी की १२५ वीं जयंती समारोह को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। रूपाणी ने कहा कि पहले हिंदू लड़कियों को भगा दिया जाता है, फिर उनका गैरकानूनी तरीके से विवाह करा जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराया जाता है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद गुजरात की ओर से इस कानून के विरोध में हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इस कानून के कुछ प्रावधान असंवैधानिक हैं। दो धर्मों के युवक व युवतियों का आपस में विवाह करना ही गैरकानूनी नहीं हो सकता है, लेकिन इस कानून के आ जाने के बाद अब ऐसा विवाह अपराध हो गया है। गत दिनों मुख्य न्यायाधीश विक्रम नाथ व न्यायाधीश बीरेन वैष्णव की खंडपीठ ने सरकार से स्पष्ट कहा कि अगर धारा पांच के अमल पर लगी रोक हटा दी जाती है, तो अदालत के उस फैसले का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। कानून की धारा पांच के अनुसार, विधिवत तरीके से होने वाले अंतरधार्मिक विवाह के बाद मतांतरण से पहले राज्य सरकार से मंजूरी लेना अनिवार्य है। उधर, राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की ओर से 'धर्म स्वतंत्रता कानून की कुछ धाराओं पर रोक लगाने

के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने का मन बनाया है। गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा है कि कई युवक हिंदू धर्म के नाम व चिन्ह फर्जी तरीके से धारण करके, लालच व भय दिखाकर या बहला-फुसलाकर हिंदू युवतियों को फंसा लेते हैं, ऐसी युवतियों व महिलाओं को इनसे बचाने के उद्देश्य से सरकार की ओर से यह कानून पारित किया गया था। उच्च न्यायालय से राज्य सरकार की अर्जी ठुकराए जाने के बाद अब राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के पूर्व में कानून की कुछ धाराओं अमल पर लगाई गई रोक के फैसले को ही उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने का मन बना लिया है। गुजरात सरकार धर्म स्वतंत्रता संशोधन कानून जून, २०२१ में अमल में लाया गया था। कानून के अस्तित्व में आने के बाद सबसे पहले वडोदरा में लव जिहाद का मामला दर्ज हुआ। इसके बाद अहमदाबाद, सूरत जैसे जिलों में अब तक आधा दर्जन मामले दर्ज हो चुके हैं।

महिला माइके में जाकर मां के फोन से प्रेमी के साथ बात करती

एक महिला की हरकत से इसका वैवाहिक जीवन बरबाद हो गया, पति ने पत्नी की जासूसी करने के बाद पोल खुल गई

सूरत।

सूरत से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक महिला की हरकत से इसका वैवाहिक जीवन बरबाद हो गया है। पति ने पत्नी की जासूसी कराने पर जानने को मिला कि, पत्नी माइके में जाकर अपनी मां के फोन पर अपने प्रेमी के साथ बात करती थी। पत्नी की हरकत से परेशान हुए पति ने आखिर में इसे तलाक देकर वैवाहिक जीवन खत्म किया। यह हुआ था कि, सूरत के कोर्ट क्षेत्र में २०१५ में एक युवक और युवती की शादी हुई थी। उनका वैवाहिक जीवन सुखमय चल रहा था, तब कोट क्षेत्र के अन्य एक युवक के संपर्क में विवाहिता महिला आई थी। महिला को इस युवक के साथ प्रेम हुआ था। आखिर में पति ने एक दिन पत्नी की मोबाइल जांच करने पर इसका पर्दाफाश हुआ था। दोनों की बात तलाक तक पहुंच गई थी। कोर्ट में केस पहुंचने पर पत्नी ने कबूला कि, वह अब मोबाइल पर प्रेमी के साथ बात नहीं करेगी, और मोबाइल भी नहीं रखेगी। इसके बाद पत्नी बारबार अपने माइके चली जाती थी। इस दौरान पति ने एक दिन देखा तो इसकी सास रात को ३ बजे ऑनलाइन थी। पत्नी माइके में होने से ऐसा बारबार होने पर पति को आशंका हुई थी। जिसकी वजह से उसने जासूसी कराई थी। यह करने पर पत्नी की प्रेमी के साथ चेटिंग की पोल खुल गई थी। आखिर में पत्नी की पोल खुलने पर पति ने इसे फिर से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। पत्नी अपनी प्रेमी को भूल नहीं सकने पर इसने तलाक देने का निश्चय किया।

सखी - हिंदुस्तान जिंकने महिलाओं को प्रदान किए लघु एवं मध्यम उद्योगों के अवसर

सूरत।

लघु उद्योग दिवस प्रत्येक वर्ष 30 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस सभी लघु और मध्यम उद्यमियों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है ताकि ज्यादा से ज्यादा लघु उधमियों को प्रोत्साहन मिले और वे आगे आये व स्वरोजगार को बढ़ावा मिले। भारत जैसे देश के आर्थिक विकास में छोटे उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है जो स्टार्टअप के रूप में पिछले पांच सालों में सामने आए है। लगभग 36.1 मिलियन इकाइयों के साथ, यह बताया गया है कि स्वस्थ्यद्य विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6.11 प्रतिशत और सेवा गतिविधियों से सकल घरेलू उत्पाद का 24.63 प्रतिशत योगदान करते हैं जो कि 2025 तक बढ़कर 50 प्रतिशत होने की क्षमता हैं। एमएसएमई उद्योग के कर्मचारी 120 मिलियन लोग हैं।

राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर खरे उतरते हुए हिन्दुस्तान जिंक ने अपनी सूक्ष्म उद्यम पहल - सखी उत्पादन समिति के तहत राजस्थान के पांच जिलों - अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद और उदयपुर और उत्तराखंड के पंतनगर में ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान किए हैं।

'आत्मनिर्भर भारत' को अपने मूल सिद्धांत के रूप में रखते हुए, हिंदुस्तान जिंक की सखी उत्पादन समिति, ग्रामीण महिला किसानों से उच्च गुणवत्ता, रसायन मुक्त उत्पाद प्राप्त कर 4 कृषि-व्यवसाय और 2 सिलाई केन्द्र चलाती है जो 130 से अधिक सखी महिलाओं को रोजगार देती हैं। ये कृषि और कपड़ा उत्पाद सम्पूर्ण भारत में बिकते हैं। सरकार की योजनाओ के साथ संरेखित होते हुए, सखी स्वयं सहायता समूह द्वारा महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित

करते हुए उनके विकास में होने वाले वित्तीय समावेश पर ध्यान देता है।

सखी की मार्केटिंग संस्थाएं 'कटोरी' और 'उपया' ग्रामीण महिलाओं और अंतिम उपभोक्ता के बीच कड़ी का कार्य करती है। ये महिलाओं के समूह के साथ मिलकर काम करती हैं ताकि स्वतंत्र और टिकाऊ व्यवसायों में उनके विकास में सहायता मिल सके। हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ श्री अरुण मिश्रा ने एक कार्यक्रम में कहा, च्चोकल फॉर लोकलज् होने का हमारा मूल उद्देश्य हमारे स्थानीय समुदायों में छोटे उद्योग के विकास को बढ़ावा देता है। हम 'आत्मनिर्भर भारत' बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए अपने स्थानीय समुदायों को उद्यमशीलता और कौशल विकास की शक्ति के साथ सशक्त बनाने में विश्वास करते हैं। हमारी सखियाँ हमारे स्थानीय समुदायों में सामाजिक परिवर्तन की उत्प्रेरक हैं और हमारी सखी उत्पादन समिति के सामूहिक सूक्ष्म उद्यमों के माध्यम से हमने उन्हें कुशल बनाया है। इस प्रकार उन्हें एक समानतावादी समाज में महिलाओं का सामाजिक और वित्तीय समावेश कर मुख्यधारा में लाने के लिए एक मंच प्रदान किया है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)